www.deshkiupasana.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RNI NO - UPHIN/2022/86937
जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE
सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 05 | अंक – 64 | जौनपुर, सोमवार, 19 अक्टूबर 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

सीएम योगी बोले- बेटी के जन्म से पढ़ाई तक सरकार दे रही आर्थिक सहायता

गोरखपुर, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को शारदीय नवरात्र की महानवमी पर गोरखनाथ मंदिर में कन्या पूजन के बाद महिलाओं और बेटियों के लिए चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार बेटी के जन्म से लेकर उसकी पढ़ाई तक आर्थिक सहायता उपलब्ध करा रही है। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के तहत विभिन्न चरणों में 25 हजार रुपये की मदद दी जाती है, जबकि बेटी के विवाह के लिए एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता का प्रावधान है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना का उद्देश्य

बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच को बढ़ावा देना और उनके भविष्य को बेहतर बनाने में परिवारों की मदद करना है। योजना के तहत बेटी के जन्म से लेकर उसकी शिक्षा के अलग–अलग चरणों में परिवार को आर्थिक सहायता दी जाती है। उन्होंने बताया कि विवाह योग्य होने पर बेटी की शादी के लिए भी सरकार की ओर से सहायता उपलब्ध कराई जाती है। मुख्यमंत्री ने महिला सुरक्षा के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी का जिक्र करते हुए कहा कि वर्ष 2017 तक प्रदेश में महिला पुलिसकर्मियों की संख्या करीब 10 हजार थी, जबकि वर्तमान में 45 हजार महिला पुलिसकर्मी सेवाएं दे रही हैं। उन्होंने कहा कि महिला पुलिसकर्मी प्रदेश में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने और बेहतर माहौल तैयार करने में योगदान दे रही हैं। योगी आदित्यनाथ ने ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की भूमिका पर चर्चा करते हुए बताया कि प्रदेश में 54 हजार बैंकिंग सखी गांव–गांव तक बैंकिंग सेवाएं पहुंचा रही हैं। इनके माध्यम से ग्रामीणों को बैंक से जुड़ी सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए सरकार प्रयास कर रही है।

नवरात्र के नौवें दिन पीएम मोदी ने मां सिद्धिदात्री को किया नमन, शेयर किया देवी स्तुति का भजन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को शारदीय नवरात्र के अंतिम दिन मां सिद्धिदात्री को नमन करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर देवी दुर्गा की स्तुति से जुड़ा एक भजन साझा किया। उन्होंने भक्तों के लिए यश, कीर्ति और उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की। प्रधानमंत्री ने अपने पोस्ट में लिखा, "त्याग और तप की देवी मां महागौरी के आशीष से सबका भविष्य उज्ज्वल हो। हर किसी को जीवन में यश और कीर्ति की प्राप्ति हो, यही कामना है।" उन्होंने वीरेंद्रकृष्ण भद्र द्वारा गाए गए भजन 'नारायणी नमस्तुते' का यूट्यूब लिंक भी शेयर किया, जिसमें मां दुर्गा की महिमा का बखान किया गया है। इससे पहले प्रधानमंत्री ने श्रीदेवीकवचम् का आठवां श्लोक भी साझा किया था इसका अर्थ है कि जो भक्त भक्तिपूर्वक देवी का स्मरण करते हैं, उनकी उन्नति निश्चित होती है और देवी उनकी संकटों से रक्षा करती हैं। नवरात्र के नौवें दिन मां सिद्धिदात्री की पूजा होती है। 'सिद्धि' का अर्थ पूर्णता और 'दात्री' का अर्थ देने वाली है। यह स्वरूप

भक्तों को अणिमा, महिमा, गरिमा, लघिमा, प्राप्ति, प्राकाम्य, ईशत्व और वशित्व जैसी आठ सिद्धियां प्रदान करती हैं। मां का वाहन सिंह है। उनकी चार भुजाओं में गदा, चक्र, कमल और शंख सुशोभित हैं। यह स्वरूप शक्ति, सिद्धि और दिव्य ज्ञान का प्रतीक माना जाता है। मान्यताओं के अनुसार, भगवान शिव ने मां सिद्धिदात्री की कृपा से अनेक सिद्धियां प्राप्त की थीं। देवी की अनुकंपा से ही शिव अर्धनारीश्वर स्वरूप में अभिव्यक्त हुए, जो शिव–शक्ति की एकता और स्त्री–पुरुष ऊर्जा के संतुलन का प्रतीक है।

संक्षिप्त खबरें

दो आरोपियों की जमानत को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी असम सरकार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। असम सरकार गायक जुबिन गर्ग की मौत के मामले में सात आरोपियों में से दो को जमानत देने संबंधी गुवाहाटी उच्च न्यायालय के फैसले को उच्चतम न्यायालय में चुनौती देगी। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि छुट्टियों के बाद उच्चतम न्यायालय खुलते ही विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) दायर की जाएगी। यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए सीआईडी के विशेष पुलिस महानिदेशक मुन्ना प्रसाद गुप्ता ने कहा, "गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने मामला संख्या 18ध्25 में दो आरोपियों को जमानत दी है। हमने अदालत के आदेशों का अध्ययन किया है और उनका विश्लेषण करने के साथ–साथ कानूनी राय लेने के बाद जमानत के इन आदेशों को माननीय उच्चतम न्यायालय में चुनौती देने का फैसला किया है।" उन्होंने हालांकि जमानत के आदेशों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, "अदालत में अभी छुट्टियां हैं। इसके दोबारा खुलते ही हम याचिका दायर करेंगे।" गर्ग के बैंड की सदस्य एवं गायिका अमृतप्रभा महंत तथा असम पुलिस के निलंबित उपाधीक्षक संदीपन गर्ग को उच्च न्यायालय से जमानत मिल गई है। गायक जुबिन गर्ग की पिछले साल 19 सितंबर को सिंगापुर में समुद्र में तैरते समय संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी।

टाइगर श्रॉफ फायरिंग मामले में हमलावरों पर सख्त कार्रवाई होगी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को कहा कि मुंबई पुलिस अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर गोलीबारी की घटना में शामिल लोगों और उनके आकाओं का पता लगाएगी और इस तरह की घटनाओं को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। फडणवीस ने नागपुर में संवाददाताओं से कहा कि पुलिस को आरोपियों की पहचान के संबंध में अहम सुराग मिले हैं और उन्हें जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि आरोपी महाराष्ट्र के बाहर, संभवतरू विदेश से काम कर रहे हैं। उन्हें पकड़ने के लिए पुलिस दूसरे राज्यों के साथ समन्वय करेगी और केंद्रीय एजेंसियों की मदद भी लेगी। मुख्यमंत्री ने कहा, " हम उनके आकाओं का भी पता लगाएंगे, जो कहीं और छिपकर वहां से निर्देश देते हैं।" रविवार शाम मुंबई के जुहू इलाके में अज्ञात हमलावरों ने टाइगर श्रॉफ की कार पर गोलीबारी की थी। इस घटना में अभिनेता सुरक्षित बच गए, जबकि उनके चालक और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गए।

महानवमी पर जेपी नड्डा ने देशवासियों को दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली, (एजेंसी)। शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने सोमवार को महानवमी के अवसर पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने मां दुर्गा के नौवें स्वरूप मां सिद्धिदात्री को नमन करते हुए सभी लोगों के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर नड्डा ने देवी मां से देशवासियों के उज्ज्वल भविष्य, अच्छे स्वास्थ्य और सभी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए प्रार्थना की।शारदीय नवरात्रि का नौवां दिन देवी सिद्धिदात्री की आराधना के लिए विशेष महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन श्रद्धालु माता की विधि–विधान से पूजा–अर्चना कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। केंद्रीय मंत्री नड्डा ने भी इस पावन अवसर पर अपनी धार्मिक आस्था व्यक्त करते हुए देशवासियों के कल्याण की कामना की।केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर पोस्ट साझा करते हुए मां सिद्धिदात्री के चरणों में नमन किया। उन्होंने अपने संदेश में देवी मां की महिमा का उल्लेख करते हुए सभी नागरिकों के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा, ज्ञान और समृद्धि की कामना की।नड्डा ने अपने संदेश में लिखा, ष्शारदीय नवरात्रि के इस पावन नौवें दिन, मैं देवी दुर्गा के सिद्धिदात्री स्वरूप के चरणों में कोटि–कोटि नमन करता हूँ। ज्ञान की प्रतीक माँ सिद्धिदात्री से प्रार्थना है ।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ताजिकिस्तान रवाना, शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सोमवार सुबह नई दिल्ली से ताजिकिस्तान की राजधानी दुशांबे के लिए रवाना हुए। वह यहां शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की शासनाध्यक्ष परिषद की 25वीं बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह महत्वपूर्ण बैठक 19 और 20 अक्टूबर को होने जा रही है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने रवाना होने की जानकारी देते हुए कहा कि वह इस बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए उत्सुक हैं। इस बैठक में एससीओ के सदस्य देशों के बीच सहयोग को मजबूत करने पर प्रमुखता से चर्चा होगी। रक्षामंत्री ने बताया कि एससीओ की बैठक में व्यापार, अर्थव्यवस्था, निवेश, संपर्क व्यवस्था, नवाचार और सांस्कृतिक एवं मानवीय आदान–प्रदान जैसे विषय बैठक के मुख्य एजेंडे में शामिल हैं। इसके अलावा, सदस्य देश आपसी सहयोग से जुड़ी मौजूदा पहलों की प्रगति की समीक्षा करेंगे। यहां संगठन के वित्तीय प्रबंधन और संस्थागत कामकाज से जुड़े मुद्दों पर भी विचार किया जाएगा। एससीओ की यह बैठक सदस्य देशों को आर्थिक और अन्य क्षेत्रों में व्यावहारिक सहयोग बढ़ाने का अवसर देगी। इसका उद्देश्य ऐसे क्षेत्रों में आपसी तालमेल मजबूत करना है, जिनसे सभी सदस्य देशों को लाभ मिल सके। गौरतलब है कि भारत एससीओ की विभिन्न व्यवस्थाओं में सक्रिय रूप से भाग ले रहा है। भारत ने क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए नए उद्यमों, नवाचार, डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और लोगों के बीच आपसी संपर्क जैसे क्षेत्रों में पहल की है। दुशांबे में होने वाली बैठक के दौरान भारत अन्य सदस्य देशों के साथ विचारों का आदान–प्रदान करेगा। साथ ही आपसी हितों से जुड़े मुद्दों पर सहयोग आगे बढ़ाने के मार्ग तलाशे जाएंगे। एससीओ शासनाध्यक्ष परिषद की पिछली बैठक 18 नवंबर 2025 को रूस की राजधानी मॉस्को में हुई थी। उस बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने किया था। इस बार ताजिकिस्तान की राजधानी दुशांबे में होने वाली बैठक में भारत की ओर से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शामिल हो रहे हैं। शंघाई सहयोग संगठन क्षेत्रीय सहयोग का एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय मंच है।

अयोध्या में कल 150 प्रतिमाओं का निर्मली कुंड मे होगा विसर्जन

जीआईसी मैदान से सुबह 10 बजे रवाना होगी शोभायात्रा

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। रामनगरी में मंगलवार, 20 अक्टूबर को मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन किया जाएगा।सोमवार रात शहर के विभिन्न पूजा पंडालों की प्रतिमाएं जीआईसी मैदान में एकत्र होंगी, जहां उन्हें क्रमवार नंबर दिया जाएगा।मंगलवार सुबह 10 बजे यहीं से विसर्जन शोभायात्रा निकाली जाएगी। शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए शोभायात्रा गुप्तारघाट स्थित निर्मली कुंड पहुंचेगी, जहां प्रतिमाओं का विसर्जन होगा।आयोजकों के मुताबिक, शोभायात्रा में करीब 150 प्रतिमाएं शामिल है।शोभायात्रा के दौरान चौक घंटाघर पर मंडलायुक्त, डीआईजी, एसएसपी, जिलाधिकारी और जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में पुष्पवर्षा की जाएगी।विभिन्न सामाजिक संगठनों और मंदिरों की ओर से भी श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया जाएगाविसर्जन को लेकर एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी और केंद्रीय दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष मनोज जायसवाल ने जीआईसी मैदान तथा शोभायात्रा मार्ग का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया।सुरक्षा व्यवस्था के लिए पूरे मार्ग को जोन और सेक्टर में बांटा गया है।जिला व पुलिस प्रशासनिक अधिकारियों के नेतृत्व में सिविल पुलिस, पीएसी और अर्धसैनिक बलों की तैनाती की जाएगी।प्रशासन ने श्रद्धालुओं से निर्धारित मार्ग और सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील की है।किसी भी समस्या की स्थिति में तत्काल पुलिस या संबंधित मजिस्ट्रेट को सूचना देने को कहा गया है।

रावण दहन में राष्ट्रपति मुर्मु होंगी मुख्य अतिथि

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में विजयादशमी के अवसर पर भव्य रावण दहन की तैयारियां जोर–शोर से चल रही हैं। द्वारका सेक्टर–10 स्थित रामलीला मैदान में द्वारका श्री रामलीला सोसायटी की ओर से आयोजित 15वीं रामलीला का समापन 20 अक्टूबर को विशाल रावण दहन के साथ होगा। इस वर्ष आयोजन का सबसे बड़ा आकर्षण 221 फीट ऊंचा रावण का पुतला है। आयोजकों की ओर से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने और रावण दहन करने की जानकारी दी गई है। हालांकि, राष्ट्रपति की उपस्थिति की स्वतंत्र आधिकारिक पुष्टि उपलब्ध नहीं है। आयोजन के लिए रामलीला के मंच को सोमनाथ मंदिर की थीम पर सजाया गया है। इसके साथ ही इस बार नई पीढ़ी के कलाकार रामायण के विभिन्न पात्रों का अभिनय कर रहे हैं।रामलीला सोसायटी के चेयरमैन एवं मुख्य संरक्षक आकाश राजेश गहलोत के अनुसार, आयोजन का प्रमुख उद्देश्य युवाओं को भारतीय संस्कृति, धार्मिक परंपराओं और भगवान श्रीराम के आदर्शों से जोड़ना है। इस वर्ष रामलीला में आधुनिक तकनीक, भव्य सजावट और पारंपरिक मंचन का विशेष संगम देखने को मिल रहा है।आयोजकों के अनुसार, यह इस वर्ष देश के सबसे ऊंचे रावण पुतलों में शामिल होने का दावा रखता है। पुतले को तैयार करने में विशेष तकनीक और कारीगरी का इस्तेमाल किया गया है। रामलीला सोसायटी ने अगस्त में ही विशाल रावण पुतले के निर्माण की घोषणा कर दी थी। आयोजकों का उद्देश्य पिछले वर्षों के मुकाबले इस बार रावण दहन को और भव्य बनाना है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के शामिल होने की जानकारी आयोजन से जुड़ी जानकारी के अनुसार, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को रावण दहन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होना है।

दिल्ली में विरोध प्रदर्शन तेज, केंद्र सरकार के नए संसदीय कदम पर सबकी नजर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और मतदाता सूची में संशोधन के खिलाफ हाल ही में हुए विरोध प्रदर्शनों से सरकार पर अभी तक कोई खास असर नहीं पड़ा है। 10 अक्टूबर को, जब कॉकरोच जनता पार्टी ने जंतर–मंतर पर प्रदर्शन का आह्वान किया, तो सरकार और दिल्ली पुलिस ने यह तय कर लिया था कि इन विरोध प्रदर्शनों से कैसे निपटना है। अभिजीत दिपके के नेतृत्व वाली के 10 अक्टूबर और 16 अक्टूबर के श्लहरा दो तिरंगाश अभियानों को संभालने के लिए, पुलिस ने एहतियातन लोगों को हिरासत में लेने और भारी सुरक्षा बल तैनात करने जैसी रणनीतियां अपनाईं। दिल्ली पुलिस को स्पष्ट निर्देश हैं कि वे ऐसे गैर–कानूनी विरोध प्रदर्शनों को रोकें, जिनके लिए आयोजकों को अनुमति नहीं मिली हैकृजैसा कि 10 और 16 अक्टूबर के प्रदर्शनों के मामले में हुआ था। वहीं, इस हफ्ते दिल्ली के बीचों–बीच राहुल गांधी के नेतृत्व में निकाले गए मार्च जैसे कानूनी विरोध प्रदर्शनों को अनुमति दी गई। इसके अलावा, 1 नवंबर को रामलीला मैदान में कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन की एक रैली को भी मंजूरी मिल गई है। सरकार ने यह भी साफ कर दिया है कि वह मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ किसी भी तरह के राजनीतिक दबाव के आगे नहीं झुकेगी।

रामलीला के आठवें दिन लंका दहन का भव्य मंचन, विधायक पंकज सिंह रहे मौजूद

श्रीराम–हनुमान मिलन से लंका दहन तक की लीलाओं ने मोहा मन, सत्य और धर्म की विजय का दिया संदेश ब्यूरो चीफ ध्सत्य प्रकाश उपाध्याय

नोएडा, 18 अक्टूबर। श्री राम लखन धार्मिक लीला कमेटी द्वारा आयोजित रामलीला के आठवें दिन रविवार को नोएडा के विधायक पंकज सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। गेल इंडिया लिमिटेड के चीफ जनरल मैनेजर एवं स्वागत अध्यक्ष संजय सिंह और सुशील कुमार गुप्ता की उपस्थिति में पूजा–अर्चना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। पिछले दस वर्षों से आयोजित हो रही इस रामलीला में बड़ी संख्या में गणमान्य अतिथि और श्रद्धालु शामिल हुए।

भगवान श्रीराम का जीवन सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता हैरू पंकज सिंह विधायक पंकज सिंह ने आयोजन समिति को रामलीला के सफल आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि भगवान श्रीराम की लीला हमें सत्य, धर्म और मर्यादा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा

अवकाश सूचना

सभी पाठकों को सूचित किया जाता है कि विजयादशमी पर कार्यालय व प्रेस में अवकाश रहेगा।

अतः अगला अंक समय से प्रकाशित होगा।

– सम्पादक

संपादकीय

असहज महसूस करना लाजिमी

अमेरिका अपनी ताकत का इस्तेमाल विकासशील देशों की पूंजी और औद्योगिक विशेषज्ञता को झटकने के लिए कर रहा है। भारत ने इस रुझान का मुकाबला करने की इच्छा तक नहीं दिखाई है।

एस्सार ग्रुप लगभग 15 बिलियन डॉलर के निवेश से अमेरिका में अपनी स्टील कारखाना परियोजना को पुनर्जीवित करेगा। एस्सार ग्रुप के मालिक रुइया बंधुओं ने अमेरिकी राष्ट्रपति और उनके मंत्रियों की मौजूदगी में यह हाई प्रोफाइल एलान किया। इस तरह ये समूह उन भारतीय कंपनियों में शामिल हो गया है, जिन्होंने इस वर्ष अमेरिका में अरबों डॉलर के निवेश की घोषणा की है। सन फार्मस्यूटिकल्क, जेएसडब्लू स्टील, अभ्युदय ग्रुप, स्टरलाइट टेक्नोलॉजीज, और पीआर जिंदल समूह पहले ही डॉनल्ड ट्रंप के श्मेक अमेरिका ग्रेट अगेन्त्र मुहिम का हिस्सा बन चुके हैं। कहा जा सकता है कि जब ट्रंप प्रशासन ने टैरिफ की दीवार से विदेशी उत्पादों का अमेरिका आना मुश्किल कर दिया है, वहां अपना बाजार बचाने का इन कंपनियों के पास यही रास्ता बचा है। लेकिन यह समझना जरूरी है कि सारी दुनिया की कीमत पर अपने देश को फिर श्औद्योगिक शक्तिन्त्र बनाने की ट्रंप की योजना से भारत जैसे पूंजी के अभाव से ग्रस्त देश के सामने बड़ी चुनौती खड़ी हुई है। भूमंडलीकरण के दौर में भारत जैसे देशों की कोशिश पश्चिमी पूंजी और तकनीक को आकर्षित करने की रही। इसके लिए उन्होंने अपने नियम–कायदे बदले। लेकिन ट्रंप काल में दुनिया का सबसे विकसित देश अपनी ताकत का इस्तेमाल विकास की सीढ़ी पर पिछड़े देशों की पूंजी और औद्योगिक विशेषज्ञता को झटकने के लिए कर रहा है। इसे भारत की विवशता की कहा जाएगा कि उसने इस रुझान का मुकाबला करने की इच्छा तक नहीं दिखाई है। नतीजतन, भारतीय बाजार से मिले अवसर से यहां की कंपनियों ने जो धन कमाया, उसका निवेश वे श्अमेरिका को महान बनानेत्र में कर रही हैं। इस क्रम में एस्सार ग्रुप का मामला और भी विवादास्पद है। भारतीय बैंकों के डिफॉल्टरों में यह समूह दसवें नंबर पर रही है। तीन भारतीय बैंकों ने उससे कर्ज वसूली की प्रक्रिया चला रखी है। टेलीकॉम, बिजली, स्टील, इन्फ्रास्ट्रक्चर, तेल आदि क्षेत्रों में निवेश के लिए एस्सार ने जो कर्ज लिए, उसका एक बड़ा हिस्सा उसने नहीं चुकाया। और अब वह विशाल निवेश अमेरिका में करने जा रही है। इस पर भारतवासियों का खुद को असहज महसूस करना लाजिमी ही है।

सवालों के घेरे में हैं जेएनयू के क्रांतिकारियों की चयनित चुप्पियां

संजय

शिक्षा केंद्रों की कलंक कथाएं अनंत हैं। गुरु–शिष्य परंपरा को लजाते प्रकरण मुंह चिढ़ा रहे हैं। ऐसी खबरें अब बहुत विचलित नहीं करतीं। किंतु बात जब जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय जैसे शिक्षा केंद्र की हो तो मामला साधारण नहीं रह जाता। आरोप किसी साधारण शिक्षक पर नहीं, मणिपुर से लोकसभा के सांसद प्रोफेसर अंगोमचा बिमोल अकोइजम पर हैं। वे जेएनयू के सामाजिक विज्ञान अध्ययन केंद्र में प्राध्यापक थे। जेएनयू प्रशासन ने 11 छात्राओं की शिकायतों की जांच के बाद प्रोफेसर अंगोमचा बिमोल अकोइजम को बर्खास्त कर दिया है। वे अभी सांसद बने हुए हैं। प्रो. बिमोल ने इन आरोपों पर सफाई देते हुए कहा कि उन्हें सरकार विरोधी रवैये के कारण शिकार बनाया जा रहा है। इस सफाई के बहुत मायने नहीं हैं। मुद्दा है शिक्षक की गरिमा का, यदि वह जनप्रतिनिधि हैं तो मामला गंभीर हो जाता है। जेएनयू जैसे विश्वविद्यालय में जागरुक विद्यार्थियों की संख्या काफी है। राजनीतिक तौर पर भी उनकी सक्रियता किसी से छिपी नहीं है। ऐसे में किसी प्राध्यापक का यह रवैया आश्चर्यजनक है। उन छात्राओं के साहस को भी नमन करना चाहिए, जिनके कारण यह प्रकरण प्रकाश में आ सका। हमारी परंपरा में शिक्षक अपने विद्यार्थियों के लिए अभिभावक हैं। इस गरिमा को छोड़कर अपने विद्यार्थियों का किसी भी तरह का शोषण स्वीकार्य नहीं है। यह उस अकादमिक भरोसे की हत्या है, जिस पर शिक्षा की नींव टिकी है। आरोपी प्रोफेसर के बारे में विश्वविद्यालय की आंतरिक शिकायत समिति ने शिकायतों को सही पाया है। नैतिकता के आधार पर उन्हें सांसद पद से इस्तीफा देना चाहिए। उनकी अपनी कांग्रेस पार्टी की ओर से कोई आधिकारिक बयान अभी तक सामने नहीं आया है। यह बात रेखांकित करती है कि शिक्षा केंद्रों में शिक्षक सुरक्षित माहौल नहीं देगें तो युवा पीढ़ी का मानसिक और शैक्षणिक विकास कैसे होगा? यह भी सुखद है कि जागरुक विद्यार्थी अब किसी तरह के शोषण को सहने को तैयार नहीं हैं। पीड़िताएं अब डरने के बजाए संस्थागत प्रक्रियाओं का दरवाजा खटखटा रही हैं। स्त्रियों ने इस समय में अपनी शक्ति को पहचान लिया है। वे बेहतर कर रही हैं और आगे आसमां छूने की कोशिशों में हैं। यहां भी पुरुष सत्ता चोटिल होती हुई लगती है। उसके प्रति सम्मान और संवेदनशीलता के बजाए, किस्से बनाने और उसे कमतर साबित करने की कोशिशें हर स्तर हो रही हैं। तेज होते सामाजिक–आर्थिक परिवर्तनों के इस दौर में सिर्फ कानून ही स्त्री के साथ खड़े हैं। कई जगह स्त्रियां भी, स्त्रियों के खिलाफ खड़ी हैं। यह संक्रमण काल है, स्त्री को अपने वजूद को साबित करते हुए निरंतर आगे बढ़ने का समय है। वह जीत रही है और आगे बढ़ रही है। आज की बेटियां अपने सपनों में रंग भर रही हैं। आसान शिकार होने के नाते कुछ शिकारी उसकी घात में हैं, किंतु आज की औरत इससे डरती नहीं। घबराती नहीं। वह बने–बनाए कठघरों को तोड़कर आगे आ रही है। कानून से ऊपर कोई नहीं है। आरोपी प्रोफेसर सांसद हैं तो उन्हें कुछ विशेषाधिकार जरुर हासिल हैं। ऐसे में मुद्दा यह भी है कि जब कानून बनाने वाले ही महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचा रहे हैं तो राजनीतिक शुचिता का क्या होगा। दलगत राजनीति और चयनित चुप्पियों के समय में राजनीतक दलों का रवैया दोमुंहा हो जाता है। टीवी डिबेट्स में राजनीतिक दलों की महिला प्रवक्ता भी उक्त प्राध्यापक का बचाव करते नजर आ रहे हैं। यह तर्क भी कितने गलीज हैं कि दूसरे दल के लोगों पर भी आरोप लगे हैं। इससे गहरी राजनीतिक संवेदनहीनता प्रकट होती है। आपको इसलिए छोड़ दिया जाए क्योंकि प्रतिपक्ष पर भी ऐसे आरोप हैं। नैतिकता और महिला सुरक्षा के मुद्दों पर दलीय सीमाओं से ऊपर उठकर स्त्री सम्मान के लिए सभी को खड़ा होना चाहिए। संसद को हम लोकतंत्र का मंदिर मानते हैं। वहां बैठे सांसदों से उच्च नैतिक आचरण की अपेक्षाएं बेमानी नहीं हैं। हालात इतने बदतर हैं कि गंभीर आरोपों से घिरे लोग अकसर संस्थागत जांच की वैधता पर सवालिया निशान लगाकर सहानुभूति हासिल करने का प्रयास करते हैं। इस मामले में भी यही दिख रहा है। वहीं दूसरी ओर जेएनयू प्रशासन का यह दावा कि उचित प्रक्रिया का पालन करते हुए आंतरिक समिति की रिर्पोट के आधार पर सांसद–प्राध्यापक पर कार्रवाई की गई है। यह साबित करता है कि राजनीतिक पदों की धमक से ऊपर अब संस्थागत नियमों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। विश्वविद्यालयों के परिसरों में वैचारिक विमर्श हों। संवाद हों। किंतु वे ताकतवर लोगों के लिए सुरक्षित शरणगाह नहीं बनें। लक्ष्मण रेखा खींचने की जरुरत है। इस पर शिक्षकों को विचार करना होगा। अपने गिरेबां में झांकना होगा। शिक्षा परिसरों में पुलिस डेरा डाल रही है। उनकी स्वायत्तता और सम्मान आज हाशिए पर है। राजनीतिक दलों से जुड़ी अपनी आस्थाओं के कारण अगर शिक्षक अपनी भूमिका से समझौता करेगें, तो उनका सम्मान बच नहीं सकता। विचारधारा और देशद्रोही विचारों के आधार पर चलने वाली शक्तियां परिसर को तो कलंकित करेंगी। शिक्षकों के सम्मान को आहत करेंगी। जेएनयू में कई वर्षों से चल रही भारत विरोधी गतिविधियों को रोकने, संभालने और अपने युवाओं को सही राह दिखाने की कोशिशें होतीं तो यह

आज नासूर बनकर न फूटता। सवाल सीधा है कि जेएनयू में हर देशद्रोही को स्पेस क्यों मिल जाता है? कोई भी विचार तभी तक स्वीकार्य है, जब तक हमारी अकादमिक योग्यताओं को निखारने और संवर्धित करने में सहायक हो। जो विचार देश तोड़ने और उसके टुकड़े करने के स्वप्न देखे उसका मिट जाना ही ठीक है। है। यह गुरु–शिष्य संबंधों को प्रभावित करता है। छात्राओं को भयभुक्त वातावरण प्रदान करना शासन– विश्वविद्यालय प्रशासन की जिम्मेदारी है। क्यों हम अपने परिसरों को छात्राओं के लिए सुरक्षित स्थान नहीं बना पाए हैं? जेएनयू जैसे जागरुक परिसर में ऐसा हो रहा है तो छोटे स्थान पर क्या हो रहा होगा? किसी छात्रा के लिए सत्ता प्रतिष्ठान से टकराना साधारण नहीं होता। बात जब यौन उत्पीड़न की हो मामला और संवेदनशील हो जाता है। छात्राओं को हिम्मत देना जरूरी है। जेएनयू की प्रथम महिला कुलपति प्रोफेसर शांतिश्री धूलिपुड़ी पंडित ने संवेदना के साथ इस विषय में न्याय किया है। समाज के सामने एक उदाहरण प्रस्तुत किया है। स्त्री सुरक्षा से जुड़े मामलों में ऐसी ही कार्रवाई अपेक्षित है। इस मामले के बाद उच्च शिक्षा परिसरों में सुरक्षा, सत्ता के दुरुपयोग और संस्थागत जबावदेही के सवाल उठेंगे। इसलिए इसका परिप्रेक्ष्य व्यापक है। "लड़की हूं लड़ सकती हूं" और "बेटी बचाओ –बेटी पढ़ाओ" के नारों के बीच ऐसी घटनाएं हमें मुंह चिढ़ा रही हैं। इस सिलसिले को रोकने के लिए कौन आएगा ? जीवंत समाज अपने समाज के प्रश्नों के हल खुद खोजता है। वह टीवी बहसों से प्रभावित नहीं होता। क्योंकि ये हमेशा अंतहीन और निष्कर्षहीन ही होती हैं। स्त्री सुरक्षा पर हमने आज ही सोचने और कुछ करने की शुरुआत नहीं की तो कल बहुत देर हो जाएगी।

छत्तीसगढ़ की शक्ति पीठ परियोजना

धनंजय राठौर

पर्यटन एक ऐसी यात्रा या भ्रमण है, जो मनोरंजन या फुर्सत के क्षणों का आनंद उठाने के उद्देश्य से किया जाता है। अतिथि देवो भवरू भारतीय परंपरा प्राचीन काल से रही है। छत्तीसगढ़ में लगभग 138 स्थलों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व के आधार पर पर्यटन स्थल के रूप में प्राथमिकता दी गई है, जिसमें 58 स्मारकों को 11 अभ्यारण 03 राष्ट्रीय उद्यान को संरक्षित घोषित किया गया है। पर्यटन मानव की प्राचीन एवं मौलिक प्रवृत्ति है। पर्यटन धरातलीय तथा मानवीय विभिन्नताओं विविधताओं का अवलोकन कर ज्ञान की बढ़ोतरी एवं मनोरंजन करता है। छत्तीसगढ़ प्राकृतिक और सांस्कृतिक पर्यटन का एक प्रमुख गंतव्य है। यहाँ के प्राकृतिक सौंदर्य और सांस्कृतिक धरोहर ने इसे एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया है। छत्तीसगढ़ सरकार ने उत्तराखंड के चार धाम की तर्ज पर राज्य के प्रमुख धार्मिक स्थलों को जोड़ने के लिए शक्तिपीठ परियोजना की शुरुआत की है। इस परियोजना के तहत लगभग 1,000 किलोमीटर लंबे आध्यात्मिक और धार्मिक पर्यटन कॉरिडोर का विकास किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ के प्रमुख शक्तिपीठों एवं महत्वपूर्ण पूजा स्थलों का विकास, सौंदर्याकरण तथा आधारभूत सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। शक्तिपीठों में श्रद्धालुओं के लिए सुगम पहुंच मार्ग, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छता, विश्राम स्थल एवं सुरक्षा व्यवस्था जैसी आवश्यक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। छत्तीसगढ़ आस्था पथ (शक्तिपीठ भ्रमण) योजना प्रारंभ करने जा रहे हैं, जिसमें पांचों शक्तिपीठों का भ्रमण एवं दर्शन कराया जाएगा, इसके लिए सरकार ने वर्ष 2026–27 के बजट में 5 करोड़ का प्रावधान किया है। प्रदेश के पांच शक्तिपीठों कुदरगढ़, डोगरगढ़, रतनपुर, चन्द्रपुर एवं दंतेवाड़ा को शक्तिपीठ सर्किट के रूप में विकसित करने के लिए बजटीय प्रावधान किया है। इस परियोजना के तहत रतनपुर स्थित मां महामाया, चंद्रपुर की मां चंद्रहासनी, डोंगरगढ़ की मां बम्लेश्वरी, दंतेवाड़ा की मां दंतेश्वरी और सूरजपुर के कुदरगढ़ मंदिर को एक धार्मिक सर्किट के रूप में विकसित किया जाना था। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सरकार गठन के बाद बजट में इसके लिए पांच करोड़ रुपये का प्रावधान भी किया गया था, जिससे प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को नई दिशा मिलने की उम्मीद थी। इन पाँचों शक्तिपीठों को बेहतर सड़कों, यात्री सुविधाओं, विश्राम स्थलों और सुरक्षा इंफ्रास्ट्रक्चर से जोड़ना। छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल और जिला प्रशासन द्वारा इन मंदिरों में सौंदर्यीकरण और श्रद्धालुओं की सुविधाओं का काम तेजी से किया जा रहा है। केंद्र सरकार की प्रसाद योजना के तहत छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले स्थित माँ महामाया मंदिर, रतनपुर के समग्र विकास के लिए 200 करोड़ की कार्ययोजना तैयार की गई है, जिसे केन्द्र सरकार के पर्यटन मंत्रालय को प्रेषित की गई है। उक्त कार्य योजना को स्वीकृति मिलते ही एंजेसी तय कर कार्य प्रारंभ की जाएगी। यह मंदिर 11वीं–12वीं शताब्दी के दौरान कलचुरी राजा र प्रतिशतदेव प्रथम द्वारा बनवाया गया था और यह माँ महालक्ष्मी एवं माँ महासरस्वती को समर्पित है। यह दक्षिण कोशल क्षेत्र की आराध्य देवी और रतनपुर राज्य की कुलदेवी के रूप में पूजी जाती हैं। इसके अलावा डोंगरगढ़, कुदरगढ़, चंद्रपुर और दंतेवाड़ा की शक्तिपीठों के लिए सीपीआर तैयार करने प्रक्रियाधीन है। प्रसाद योजना के तहत केंद्र सरकार ने प्रथम चरण में देश के 26 धार्मिक तीर्थ स्थलों का चयन किया है। इन्हें पर्यटन के लिहाज से विकसित किया जा रहा है ताकि देश–विदेश के पर्यटक यहां पहुंच सकें। पर्यटन को बढ़ावा मिले। इन स्थलों की प्रसिद्धी का विस्तार हो। हमारे प्रमुख देवी तीर्थ स्थल महामाया मंदिर और दंतेश्वरी मंदिर को प्रसाद योजना में शामिल करवाने के लिए प्रस्ताव तैयार किया जाकर केंद्र सरकार को भेजा गया है। पांचों शक्तिपीठों में गार्डन, ठहने की व्यवस्था, लाइटिंग, हवन–पूजन स्थल, रेलिंग, पानी, सामुदायिक शौचालय, बैठने की व्यवस्था, रोप–वे, पर्यटन मंडल का केंद्र, सीसीटीवी कैमरा, सुरक्षा व्यवस्था और होम स्टे आदि की सुविधाएं विकसित की जानी है। इन स्थलों में बेहतर सड़क संपर्क, स्वच्छ पेयजल, आधुनिक शौचालय, सुव्यवस्थित पार्किंग, पर्यटक सहायता केंद्र, डिजिटल सूचना प्रणाली, प्राथमिक चिकित्सा और सुरक्षा जैसी आवश्यक सुविधाओं को प्राथमिकता के साथ विकसित किया जाएगा। इन पर्यटन स्थलों की विशिष्टता को ध्यान में रखते हुए उनके विकास में स्थानीय वास्तुकला, संस्कृति और प्राकृतिक परिवेश के संरक्षण का भी विशेष ध्यान रखा जाएगा। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले में स्थित डोंगरगढ़ की सुरम्य पहाड़ियों की गोद में विराजी माँ बम्लेश्वरी देवी इस क्षेत्र की ही नहीं, बल्कि देश–विदेश के लाखों–करोड़ों श्रद्धालुओं की अगाध आस्था का मुख्य केंद्र हैं। समुद्र तल से लगभग 1600 फीट की ऊँचाई पर पहाड़ी पर स्थित यह पवित्र मंदिर माँ शक्ति के पावन रूपों में विशेष स्थान रखता है। छत्तीसगढ़ के डोंगरगढ़ में स्थित माँ बम्लेश्वरी मंदिर का इतिहास लगभग 2200 वर्ष पुराना है। यह एक प्रसिद्ध शक्तिपीठ है।

किसके हक की थी वो जमीन जहां आज है सीपी का सेंट्रल पार्क

अभिनय

एसआईआर में गड़बड़ी को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग को लेकर लगातार कॉकरोच जनता पार्टी प्रदर्शन कर रही है। इसी क्रम में 16 अक्टूबर की शाम 4रू00 बजे दिल्ली के कनोट प्लेस के सेंट्रल पार्क पर कॉकरोच जनता पार्टी लहरा दो तिरंगा मार्च का ऐलान किया। दरअसल कॉकरोच जनता पार्टी ने आवाह्वन किया कि तमाम लोग बड़ी संख्या में यहां इस सेंट्रल पार्क पर इकट्ठा होकर के तिरंगा लहराएं। सौरभ दास और आशुतोष रांका अपने समर्थकों के साथ जंतर–मंतर पहुंचे थे। उन्होंने वहां पर तिरंगा लहराया था और आरोप है कि इसी कारण आशुतोष रांका और जो सौरभ दास थे उनको दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया और पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इसी को लेकर के सीजेपी ने लहरा दो तिरंगा का आह्वन किया। लेकिन सेंट्रल पार्क दो दिनों के लिए बंद है। दरअसल एनडीएमसी ने 16 अक्टूबर और 17 अक्टूबर को प्रशासनिक कारणों की वजह से इस सेंट्रल पार्क को आम जनता के लिए बंद कर दिया। यानी कि कोई भी शख्स यहां सेंट्रल पार्क में इकट्ठा नहीं हो सकता है। लेकिन कॉकरोच जनता पार्टी ने आवाह्वन किया है कि बड़ी संख्या में लोग कनोट प्लेस में इस सेंट्रल पार्क पर पहुंचे और तिरंगा लहराएं। इसके अलावा जो लोग दूसरे शहरों में रह रहे हैं वो लोग भी तिरंगा लहराएं। सुरक्षा बढ़ा दी गई है। दिल्ली के कमर्शियल सेंटर की पहचान बनने वाले सफेद खंभों वाले गलियारों और लग्जरी ब्रांड के शोरूमों के आने से बहुत पहले, कनॉट प्लेस और इसका मशहूर सेंट्रल पार्क छोटे–छोटे गांवों से भरा एक ऊबड़–खाबड़ जंगल हुआ करता था। आज, यह जगह अक्सर बड़े सार्वजनिक आयोजनों, राजनीतिक रैलियों और कड़ी सुरक्षा के बीच ट्रैफिक डायवर्जन की वजह से सुर्खियों में रहती है। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके द्वारा आयोजित तिरंगा मार्च से पहले यह जगह फिर चर्चा में आ गई। बबूल और झाड़ियों से भरा, वन्यजीवों वाला वह इलाका आखिर कैसे लुटियंस दिल्ली के धड़कते केंद्र में बदल गया? इसका जवाब एक सदी तक चले व्यापक शहरी बदलाव में छिपा है। 20 जुलाई 2026 दिल्ली का जंतरमंतर छात्रों और सीजेपी सपोर्टर्स की भीड़ संसद की ओर बढ़ी। चलो संसद का आह्वान था। मांग थी पेपर लीक्स के चलते केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा। एक तरफ प्रदर्शनकारी थे। दूसरी तरफ दल बल के साथ दिल्ली पुलिस। खबर आई कि इंटरनेट बंद कर दिया गया है। फिर जो कुछ हुआ वह पूरे देश ने देखा। पुलिस की बर्बरता प्रदर्शनकारियों पर डंडे के रूप में बरसी। अब तारीख आगे बढ़ाई है। करीब 3 महीने बाद 10 अक्टूबर 2026 एक बार फिर जंतर–मंतर पर प्रदर्शन की तैयारी थी। इस बार सवालों के घेरे में मुख्य चुनाव आयुक्त और इलेक्शन कमीशन रहा। इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के बाद चुनाव आयोग पर गंभीर सवाल उठे हैं। जड़ एसआईआर रही सवाल गंभीर थे। सत्तारूढ़ दल पर चुनाव आयोग के डिफेंस में उतरने के आरोप लगे। जबकि चुनाव आयोग एक इंडिपेंडेंट कॉन्स्टिट्यूशनल इंस्टीट्यूशन है। वो खुद पर उठाए जा रहे सवालों के तथ्यात्मक जवाब देने में सक्षम है। मामला हल्के में निपटा दिया गया। विपक्ष समेत सीजेपी ने चीफ इलेक्शन कमिश्नर ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग रख दी। सीजेपी ने 10 अक्टूबर को प्रोटेस्ट भी बुला लिया। लेकिन इस मर्तबा दिल्ली पुलिस की तैयारी इतनी तगड़ी थी कि जंतर–मंतर पर परिंदा भी पर नहीं मार पाया। बीएएनएस की धारा 163 लगा दी। 35,000 से ज्यादा सुरक्षाकर्मी सड़कों पर तैनात थे। ट्रेनें कैंसिल कर दी गई। दिल्ली की लगभग हर पांच में से एक मेट्रो स्टेशन को बंद कर दिया गया। इंटरनेट भी बंद कर दिया गया। सीजेपी की लीडरशिप को प्लेन से ही डिटेन कर लिया गया। जो लोग कनाड प्लेस पहुंचे उन्हें भी पुलिस ने उठा लिया। सौरव दास और आशुतोष रांका पर बेल बॉन्ड तोड़ने का आरोप लगा है। 10 अक्टूबर को सौरव दास, आशुतोष रांका और अभिजीत दीपके को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया था। इन तीनों को कोर्ट ने 50–50 हजार मुचकले पर रिहा किया गया था। इसके साथ ही शर्त रखी गई थी। तीनों को एक साल तक शांति बनाए रखनी थी, ऐसा कोई काम नहीं करना था, जिससे शांति भंग हो करने का बॉन्ड साइन करवाया गया था। सौरव और आशुतोष पर ये बॉन्ड तोड़ने का आरोप लगा है। बता दें 10 अक्टूबर को सौरव, आशुतोष और दीपके को दिल्ली पुलिस के हिरासत में लेने के बाद प्रदर्शन को अजिंक्य शिंदे ने लीड किया था। गिरफ्तारी के बाद दोनों को ही 5 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया राजीव चौक मेट्रो स्टेशन के ठीक ऊपर स्थित सेंट्रल पार्क 41,500 वर्ग मीटर में फैला हुआ है। इसमें चार जलाशय , 350 सीटों की क्षमता वाला एक एम्फीथिएटर और 207 फीट ऊंचे पोल पर लगा विशालकाय भारतीय तिरंगा मौजूद है। इस पार्क की देखरेख छक्डब् का बागवानी विभाग करता है। नाम न छापने की शर्त पर छक्डब् के एक अधिकारी ने बताया कि नागरिक निकाय को उच्च अधिकारियों से पार्क बंद करने के निर्देश मिले हैं। अधिकारी ने आगे कहा कि पार्क के सभी पांचों गेट बंद रहेंगे। पार्क का एम्फीथिएटर अक्सर सरकारी कार्यक्रमों, सामाजिक और सांस्कृतिक आयोजनों के लिए बुक रहता है, वहीं इसका हरा–भरा परिसर बड़ी संख्या में लोगों खासकर सप्ताहांतपर को अपनी ओर आकर्षित करता है। अधिकारी ने प्रदर्शन के दौरान लोगों को पार्क में घुसने से रोकने की चुनौतियों का भी जिक्र किया, क्योंकि इसकी चारदीवारी की रेलिंग काफी नीची (लगभग तीन से चार फीट ऊंची) है। अधिकारी ने कहा हमें उच्च अधिकारियों से पार्कों को बंद करने के निर्देश मिले थे। पार्क के पांचों गेट बंद रखे जाएंगे।ष यह विशाल ध्वज पार्क के कोने पर, इनर–सर्कल रोड से कुछ ही फीट की दूरी पर लगा है। अधिकारी ने बताया कि लोगों को ध्वज के पास जाने से रोकना मुश्किल हो सकता है, और ऐसी स्थिति को संभालना पुलिस की कानून–व्यवस्था से जुड़ी जिम्मेदारी होगी। यह विशाल ध्वज पार्क के कोने पर, इनर–सर्कल रोड से कुछ ही फीट की दूरी पर स्थित है। 15 अक्टूबर को दिल्ली हाई कोर्ट ने ब्श्रच के तिरंगा मार्च पर सुनवाई की थी। इस दौरान अदालत ने मार्च पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पुलिस से कहा था कि गतिविधियों को नियंत्रित और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए हरसंभव कदम उठाए जाएं।

धर्म से धन तक- तीर्थाटन बना भारत की आर्थिक प्रगति का नया आधार

शिवप्रकाश

सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से भारतीय जनता पार्टी के असंख्य कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा 25 वर्षों में किये गए राष्ट्र सेवा के अनवरत कार्यों से देश को परिचित कराया। आशीर्वाद का दिया जलाकर उनके प्रति अनंत शुभकामनाएं प्रेषित की गयी। उल्लेखनीय विकास केन्द्रों का प्रवास , आँगनवाड़ी बहिनों का सम्मान , प्रभावी व्यक्तियों से संपर्क आदि के माध्यम से समाज के सभी व्यक्तियों से संपर्क का यह अभिनव अभियान था । 7 अक्टूबर को देश के हजारों स्थानों पर लाखो नागरिको ने ष्हम यह करेंगेष के उद्घोष के साथ 2047 तक भारत को विकसित बनाने का संकल्प भी लिया गया। विगत 25 वर्षों में मोदी जी ने भारत के आर्थिक उत्थान के साथ–साथ विश्व में भारत का सांस्कृतिक गौरव भी स्थापित किया है। भारत में धर्म केवल पूजा–पाठ एवं कर्मकांड तक सीमित नही समाज धारणा एवं कर्तव्य भाव भी सिखाता है। वैशेषिक दर्शन में महर्षि कणाद ने धर्म को व्याख्यायित करते हुए कहा कि ष्यतोऽभ्युदयनिरूश्रेयससिद्धिरू स धर्मरू।ष जिसके अनुसार धर्म मनुष्य जीवन के दोनों पक्षों नैतिक एवं आर्थिक उन्नति की व्याख्या करता है। जब इसी विषय को सरकार के सन्दर्भ में विचार करेंगे तब अभ्युदय का अर्थ रोजगार , कृषि , इंफ्रास्ट्रक्चर, विज्ञान , महिला , वंचित आदि का सम्मान करते हुए आर्थिक विकास की नीतिया बनाना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सांस्कृतिक उत्थान के कार्यों के माध्यम से आर्थिक प्रगति के लिए महत्त्वपूर्ण प्रयास किये है। विपक्ष सांस्कृतिक उत्थान के होने वाले कार्यो को आलोचना की दृष्टि से देखता था। इन धार्मिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्र में हुए प्रयासों के कारण आर्थिक व्यवस्था में कितना परिवर्तन आया है यह अध्ययन का विषय है। जिसको कुछ उदाहरणों से समझा जा सकता है 7जब किसी धार्मिक स्थल का विकास होता है। तब केवल मंदिर परिसर ही नही वहां का सम्पूर्ण चित्र बदलता है। सड़के पर्यटकों के आवागमन के योग्य बनती है। रेलवे, एअरपोर्ट, होटल, रेस्टोरेंट, दुकानदार, स्थानीय आवागमन के साधनों का उपयोग , हस्तशिल्प , स्थानीय उत्पादों की बिक्री आदि के द्वारा संपूर्ण जन–जीवन में परिवर्तन आता है। धार्मिक व्यवस्था से जुड़े गाइड , पुष्पमाला बेचने वाले एवं प्रसाद बेचने वाले दुकानदार सभी के जीवन में खुशहाली आती है। भारत सरकार की प्रसाद योजना के द्वारा यह सब संभव हुआ है। प्रसाद योजना के अंतर्गत 54 प्रकल्पो पर 1726.74 करोड़ का बजट निर्धारित हुआ। एक अनुमान के अनुसार प्रसाद योजना के परिणाम स्वरुप 5000–8000 करोड़ की आर्थिक गतिविधि अब तक हुई है। भारत में लगभग 20 लाख सनातनी आस्था (मंदिर) के स्थान है। 60 प्रतिशत पर्यटन धार्मिक पर्यटन है। जीडीपी में 5.22 प्रतिशत एवं रोजगार में 13.34 प्रतिशत का योगदान हैं। लगभग 7.5 करोड़ रोजगार धार्मिक एवं उससे संबंधित गतिविधियों से मिलता है। गुजरात सरकार के बजट के आधार पर 2024–25 में सोमनाथ मंदिर के दर्शन के लिए प्रतिदिन 25000 श्रद्धालु आते है। वर्ष भर में लगभग 97 लाख लोगो ने अपने आराध्य के दर्शन किये। 2013 में 70–75 लाख श्रद्धालुओ ने दर्शन लिए थे। लगभग 26 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। लगभग 1500– 1800 करोड़ की वार्षिक आर्थिक गतिविधि सोमनाथ तीर्थ दर्शन के कारण होती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने भाषण में कहा कि मुझे तो माँ गंगा ने बुलाया है। 2014 के पूर्व एवं पश्चात् के काशी में धरती आसमान का अंतर काशीवासी अनुभव करते है। मोदी का काशी से चुनाव लड़ना अपना सौभाग्य भी मानते है। 13 दिसंबर 2022 को काशी कोरिडोर के प्रथम चरण का उद्घाटन 339 करोड़ की लागत से संपन्न हुआ। काशी पुनर्निर्माण से पहले 70 –80 लाख तीर्थयात्री प्रतिवर्ष आते थे। अब लगभग 2025 में 7 करोड़ श्रद्धालु काशी में दर्शन के लिए आए। 2021 से 2025 तक 25.28 करोड़ दर्शनार्थियों ने बाबा विश्वनाथ के दर्शन किये। संपूर्णानंद संस्कृत विश्व विद्यालय के प्राध्यापक प्रो0 राजनाथ के अनुसार प्रति व्यक्ति लगभग 5000 रूपए भी खर्च करता है तब 1.25 लाख करोड़ का आर्थिक व्यापार होता है। जिसके कारण पर्यटन आय में 65 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। काशी , काशी–तमिल संगमं के माध्यम से उत्तर–दक्षिण की एकात्मता का माध्यम भी बनी है। लंबे संघर्ष के उपरांत निर्मित भव्य मंदिर के निर्माण के उपरांत अयोध्या की सम्पूर्ण आर्थिकी ही परिवर्तित हो गयी। आई आई एम लखनऊ के एक अध्ययन के आधार पर वर्ष में पहले 1.7 लाख तीर्थयात्री आते थे। दुकानदारो की प्रतिदिन आय 400– 500 रु तक होती थी। 2025 में 29.95 करोड़ श्रद्धालुओ ने भगवान राम के दर्शन किये। अयोध्या का जीएसटी संग्रह का 400 करोड़ है। 2028 तक पर्यटन राजस्व संग्रह का अनुमान 18000 करोड़ है द्य जो वर्तमान में 1०० करोड़ प्रतिवर्ष है। व्यापारिक आय में 5 गुना वृद्धि हुई है। रेस्टोरेंट 200 से बढ़कर 2000 हुए एवं बैंक शाखाएं 15 से बढ़कर 60 हुई है। होटल एवं होम स्टे में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। उत्तर प्रदेश को पर्यटन विभाग एवं अयोध्या के कारण 2025 में 2०० से 25000 करोड़ का अतिरिक्त कर प्राप्त हुआ है। 11 अक्टूबर 2022 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा महाकाल लोक का उद्घाटन होने के बाद 2019 की तुलना में तीर्थयात्रियों में 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। पहले 20–25 हजार श्रद्धालु दर्शन करते थे अब 80 हजार से 1 लाख श्रद्धालु दर्शन करते है। अब इंदौर एवं उज्जैन आर्थिक विकास के कारण एक होने की स्थिति में है। मध्य प्रदेश में पर्यटन के कारण 89. 21 प्रतिशत वृद्धि हुई है जिसमे महाकाल तीर्थयात्रियों का बड़ा योगदान है। 2013 की केदारनाथ में आई आपदा का निरीक्षण करने के लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी आये थे, उसी समय केदारनाथ के पुनर्निर्माण का संकल्प भी उन्होंने लिया था। आल वेदर रोड , ऋषिकेश से कर्ण प्रयाग रेलवे लाइन , वायु सेवा आदि के द्वारा अब उत्तराखंड में आदि कैलाश साहित चारो धामो में पर्यटन मे बहुगुणित वृद्धि हुई है। केवल केदारनाथ जी में 2025 में 1656539 तीर्थयात्री पहुचे 7 2025 के पहले डेढ़ मास में ही 300 करोड़ का रेवन्यू प्राप्त हुआ था। मोदी ध्यान गुफा की एक रात की बुकिंग 11000 रु है जिससे 2025 में विश्राम गृहों सहित 3.8 करोड़ की आय प्राप्त हुई थी। प्रयाग में आयोजित महाकुम्भ ने तो विश्व रिकॉर्ड ही बनाया है। दुनिया के लिए महाकुंभ की व्यवस्था शोध का विषय है। महाकुम्भ सम्पूर्ण विश्व के लोगो को जोड़ने का माध्यम भी बना है। आकड़ो के अनुसार 66 करोड़ से अधिक लोगो ने माँ गंगा में डुबकी लगायी थी। उत्तर प्रदेश सरकार को कुंभ के द्वारा 500 करोड़ की अतिरिक्त जी एस टी के माध्यम से आय हुई 7 1.5 लाख करोड़ पर्यटन के कारण राजस्व प्राप्त हुआ। सरकार ने महाकुम्भ क्षेत्र के विकास के लिए 6982 करोड़ खर्च कर 2 –3 लाख करोड़ राजस्व आय प्राप्त की। लगभग 6 लाख से अधिक लोगो को रोजगार भी प्राप्त हुए। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व नासिक के काला राम मंदिर के दर्शन कर 11 दिन के लिए अलग–अलग मंदिरों में प्रधानमंत्री मोदी जी संकल्प पूर्ति के लिए गए थे। वीरभद्र मंदिर लेपाक्षी , गुरुवायूर केरलं , श्रीरामा स्वामी मंदिर त्रिशूर केरलं , रंगनाथ स्वामी मंदिर तमिलनाडु , रामेश्वरम एवं धनुषकोडी के दर्शन उन्होंने किये थे। मान्यतानुसार भगवान श्रीराम का इन्ही सभी मंदिरों से अपने वनवास काल में सम्बन्ध आया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इस यात्रा के कारण इन सभी स्थानों पर तीर्थयात्रियो में वृद्धि के कारण अर्थव्यवस्था में परिवर्तन आया है।

संक्षिप्त खबरें

यूनिटी–ए एफसी ने लखनऊ वॉरियर्स को 3–2 से हराया

लखनऊ, (संवाददाता)। 12वीं ला–मार्टीनियर फुटबॉल लीग में शुक्रवार को यूनिटी–ए एफसी ने जीत दर्ज की। उसने लखनऊ वॉरियर्स एफसी को 3–2 से हराया। ला–मार्टीनियर कॉलेज स्थित बेकर्स ग्राउंड पर हुए मुकाबले में यूनिटी–ए एफसी के हुसैन ने आठवें मिनट में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद लखनऊ वॉरियर्स के कुनाल ने 25वें मिनट में गोल कर स्कोर बराबर कर दिया। अमान ने 34वें मिनट में गोल दागकर यूनिटी को फिर आगे कर दिया। दूसरे हाफ में असगर ने 47वें मिनट में गोल कर लखनऊ वॉरियर्स को बराबरी पर ला दिया। इसके बाद शावेज ने 57वें मिनट में गोल कर यूनिटी–ए एफसी को 3–2 से जीत दिला दी। शनिवार को पहले मैच में व्हाइट ईगल का सामना कॉल्विन एफसी से होगा। दूसरे मुकाबले में एएमएफएस एफसी और अवध यूनाइटेड–बी एफसी की टीमें आमने–सामने होंगी।

संगठित अपराधों की सूचना जुटाने के लिए लखनऊ क्राइम ब्रांच ने शुरू किया 'सूत्रसारथी' बॉट

लखनऊ, (संवाददाता)। संगठित अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने और आपराधिक सूचनाओं के संकलन एवं विश्लेषण को आधुनिक बनाने के लिए लखनऊ क्राइम ब्रांच ने शुक्रवार को 'सूत्रसारथी' क्रिमिनल इंटेलिजेंस बॉट की शुरुआत की। पुलिस आयुक्त तरुण गाबा के मार्गदर्शन और संयुक्त पुलिस आयुक्त अपर्णा कुमार के निर्देशन में शुरू की गई यह व्यवस्था पहले से संचालित संगठित अपराध हेल्पलाइन नंबर 7839861034 पर विकसित की गई है। इसके माध्यम से नागरिक मादक पदार्थों की तस्करी, मानव तस्करी, जाली मुद्रा, अवैध हथियारों की तस्करी और आपराधिक गिरोहों की गतिविधियों से जुड़ी जानकारी पुलिस तक पहुंचा सकेंगे।क्राइम ब्रांच ने अप्रैल 2026 में संगठित अपराधों से संबंधित सूचनाएं प्राप्त करने के लिए हेल्पलाइन शुरू की थी। नागरिकों से मिली प्रतिक्रिया और प्राप्त सूचनाओं के आधार पर अब इसे तकनीक से जोड़ते हुए 'सूत्रसारथी' बॉट तैयार किया गया है। इसका उद्देश्य सूचना देने की प्रक्रिया को सरल बनाने के साथ ही प्राप्त जानकारियों का व्यवस्थित तरीके से संकलन, वर्गीकरण और विश्लेषण करना है, ताकि अपराधों से जुड़े सुरागों की पहचान कर आवश्यक कार्रवाई की जा सके।इस बॉट के माध्यम से नागरिक मादक पदार्थों की अवैध तस्करी और वितरण, मानव तस्करी, जाली भारतीय मुद्रा के निर्माण एवं प्रसार, अवैध हथियारों की आपूर्ति, संगठित गिरोहों की गतिविधियों और अवैध वसूली सहित अन्य संगठित अपराधों की जानकारी साझा कर सकेंगे। इसके लिए नागरिकों को व्हाट्सऐप पर हेल्पलाइन नंबर 7839861034 पर 'हाय', 'हैलो', 'नमस्ते' या कोई प्रारंभिक संदेश भेजना होगा। इसके बाद बॉट स्वचालित रूप से जवाब देकर अपने उद्देश्य की जानकारी देगा और अपराध की विभिन्न श्रेणियों के विकल्प उपलब्ध कराएगा।नागरिक अपनी सूचना से संबंधित श्रेणी का चयन कर निर्धारित गूगल फॉर्म के माध्यम से जानकारी दे सकेंगे। प्रत्येक श्रेणी के लिए अलग–अलग विवरण निर्धारित किए गए हैं, जिनके आधार पर सूचनाओं को एक व्यवस्थित प्रारूप में संकलित किया जाएगा।

गैर इरादतन हत्या के मुकदमे में वांछित आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। महिगवां पुलिस ने गैर इरादतन हत्या के मामले में वांछित गोविन्द (29) को शुक्रवार को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर एक परिवार के घर पहुंचकर लाठी–डंडों से मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप हैं। पुलिस ने मवई कला मोड़ से उसे गिरफ्तार किया। मामले में इससे पहले दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है।पुलिस के मुताबिक, एक अक्टूबर 2025 को बराखेमपुर निवासी सुभाष कुमार गौतम ने महिगवां थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप था कि मोहित यादव, छोटू उर्फ पंकज यादव और 11–12 अन्य लोग उनके घर पहुंचे और जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए उनके पिता मुन्नूलाल के साथ लाठी–डंडों से मारपीट की। शिकायत में जान से मारने की धमकी देने का आरोप भी लगाया गया था। इस मामले में पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी।विवेचना के दौरान सामने आए आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस प्रयास कर रही थी। इसी क्रम में सुभाष पुत्र जमुना प्रसाद रावत को 29 जून 2026 और सूरज पुत्र स्वर्गीय रामजीवन को 31 जुलाई 2026 को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है। अन्य आरोपियों की तलाश के दौरान 16 अक्टूबर को पुलिस को सूचना मिली कि मामले में वांछित गोविन्द मवई कला मोड़ पर मौजूद है। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और उसे गिरफ्तार कर लिया।

कारागारों में निगरानी और बंदियों की सुविधाओं को बेहतर बनाने के निर्देश

लखनऊ, (संवाददाता)। महानिदेशक कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाएं पीसी मीना ने प्रदेश की जेलों में निगरानी व्यवस्था मजबूत करने, बंदियों की सुविधाओं में सुधार लाने और विभागीय कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए हैं। शुक्रवार को कारागार मुख्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने प्रदेश के सभी परिक्षेत्रीय उप महानिरीक्षकों और वरिष्ठ अधीक्षकों, अधीक्षकों तथा प्रभारी अधीक्षकों के साथ विभागीय कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।बैठक में मानव संपदा पोर्टल पर कार्मिकों के अभिलेख अपलोड करने और विभाग के सभी पदों का विवरण दर्ज किए जाने की स्थिति की समीक्षा की गई। महानिदेशक ने संबंधित अधिकारियों से प्रगति की जानकारी लेते हुए इन कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर निर्धारित समयसीमा में पूरा करने के निर्देश दिए।उन्होंने आदर्श कारागार में बंदियों के स्थानांतरण संबंधी प्रस्ताव उपलब्ध कराने और प्रदेश की विभिन्न जेलों में लगे जार्विस सीसीटीवी कैमरों को मुख्यालय की वीडियो वॉल से जोड़ने की स्थिति की भी समीक्षा की। उन्होंने निगरानी व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने के लिए जरूरी कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।बैठक में महिला बंदियों के साथ रह रहे बच्चों की देखभाल से संबंधित जनपद स्तरीय बैठकों की स्थिति पर भी चर्चा हुई। इसके साथ ही जेलों में बंदियों से मुलाकात के दौरान तलाशी की व्यवस्था को व्यवस्थित और प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया।दिव्यांग बंदियों के दिव्यांगता प्रमाणपत्र जारी करने, उनके लिए मुलाकात की अलग व्यवस्था करने और रैंप जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की स्थिति की भी समीक्षा की गई।

डीडीयू-जीकेवाई प्रशिक्षण केंद्र, पारा में कन्या पूजन समारोह आयोजित, बच्चों को भेंट किए गए उपहार

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ, पारा। डीडीयू–जीकेवाई के अंतर्गत एजुकेटर एक्स्ट्राऑर्डिनरी लिमिटेड के पारा स्थित प्रशिक्षण केंद्र में आज श्रद्धा, भक्ति एवं हर्षोल्लास के साथ कन्या पूजन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भारतीय संस्कृति एवं सनातन परंपराओं का पालन करते हुए कन्याओं का विधिवत पूजन किया गया। इसके पश्चात हवन संपन्न हुआ तथा कन्याओं को श्रद्धापूर्वक प्रसाद ग्रहण कराया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रबंध निदेशक महोदय द्वारा बच्चों को उपहार भी प्रदान किए गए। उपहार पाकर बच्चों के चेहरों पर प्रसन्नता देखने को मिली। इस आयोजन का उद्देश्य भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं को प्रोत्साहित करने के साथ–साथ कन्याओं के सम्मान,

नारी शक्ति के महत्व एवं बच्चों में संस्कारों की भावना को बढ़ावा देना रहा। इस अवसर पर संस्था के निदेशक अभियंता पी. कुमार यादव, परियोजना प्रमुख प्रवीण जी, अभिषेक जी, तथा केंद्र प्रबंधक संतोष मौर्या सहित प्रशिक्षण केंद्र के कर्मचारीगण उपस्थित रहे। इनमें अंशुल, खुशबू, अनु, नेहा, समीक्षा, लक्ष्मी, अर्चना, अनूप, आलोक यादव, हेमंत, महक, रिती, कृति, ज्योति, शिवानी, प्रियांशी,, सहित अन्य कर्मचारी शामिल रहे। कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ। उपस्थित सभी सदस्यों ने कन्याओं के उज्ज्वल भविष्य, सुख–समृद्धि एवं उत्तम स्वास्थ्य की मंगलकामना की। इस आयोजन के माध्यम से प्रशिक्षण केंद्र ने भारतीय संस्कृति, सामाजिक मूल्यों एवं कन्या सम्मान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

महिलाओं से लूटपाट करने वाला आरोपी गिरफ्तार, तीन वारदातों का खुलासा

लखनऊ, (संवाददाता)। राहगीर महिलाओं के बैग और पर्स छीनने के आरोप में रहीमाबाद और माल पुलिस की संयुक्त टीम ने विजय रावत (26) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर तीन लूट की घटनाओं से संबंधित नकदी, सोने–चांदी के आभूषण, मोबाइल फोन, महिलाओं का बैग और वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल बरामद की है। आरोपी के कब्जे से बच्चों के चांदी के खड़ुआ और मातृ एवं बाल सुरक्षा कार्ड भी मिले हैं। पुलिस आरोपी को न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई कर रही है।पुलिस के मुताबिक, 14 अक्टूबर को महिमाखेड़ा निवासी शैलेन्द्र प्रताप ने रहीमाबाद थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि विजय रावत ने उन्हें और उनकी पत्नी को जान से मारने की धमकी देकर बैग लूट लिया। बैग में पांच हजार रुपये नकद, चांदी की चार राखियां, पायल, बच्चे का कंगन, कछुआ छाप अंगूठी, चांदी का छल्ला और ओप्पो कंपनी का मोबाइल फोन रखा था। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की।पुलिस टीम ने उसी दिन आरोपी को उसके घर से पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान उसकी निशानदेही पर लूट से संबंधित सामान बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में आरोपी ने माल थाना क्षेत्र में हुई दो अन्य वारदातों में भी शामिल होने की बात बताई। इसके बाद पुलिस ने उसकी निशानदेही पर उन घटनाओं से संबंधित आभूषण भी बरामद किए।पुलिस के अनुसार, माल थाना क्षेत्र में पहली वारदात सितंबर के मध्य में सालेह नगर पुलिया के पास हुई थी, जहां मोटरसाइकिल पर पीछे बैठी महिला का पर्स छीन लिया गया था। इस मामले में माल थाने में मुकदमा दर्ज है। पुलिस ने इस घटना से संबंधित पीली धातु का मंगलसूत्र लॉकेट और एक जोड़ी कान के टॉप्स बरामद किए हैं। दूसरी वारदात सितंबर के अंत में तिवारीखेड़ा क्षेत्र में हुई थी, जहां मोटरसाइकिल पर पीछे बैठी महिला का कैरी बैग छीनने का आरोप है। इस मामले में दर्ज मुकदमे से संबंधित एक अन्य मंगलसूत्र लॉकेट, पीली धातु की अंगूठी और बच्चों के चांदी के खड़ुआ बरामद किए गए हैं।पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर पांच हजार रुपये नकद, चांदी की राखियां, पायल, कंगन, अंगूठी और छल्ला, मोबाइल फोन, क्रीम रंग का महिलाओं का बैग, मातृ एवं बाल सुरक्षा कार्ड तथा सोने जैसे दिखने वाले पीली धातु के आभूषण बरामद किए हैं।

मंडल के जिलों के बच्चों को भी मिलेगा ड्रीम लैब का लाभ

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी के राजकीय जुबिली इंटर कॉलेज में स्थापित ड्रीम लैब का लाभ अब लखनऊ मंडल के अन्य जिलों के विद्यार्थियों को भी मिलेगा। टाटा ट्रस्ट और अन्य कंपनियों के सहयोग से बनी इस लैब के जरिये कक्षा नौ से 12 तक के विद्यार्थी रोबोट, ड्रोन, ईवी और घरेलू बिजली उपकरण बनाना सीखेंगे। जल्द ही प्रदेश के सभी मंडल मुख्यालयों में लैब शुरू की जाएगी। इससे सभी मंडलों के जिलों के राजकीय विद्यालयों के विद्यार्थी भी ऑनलाइन माध्यम से आधुनिक तकनीकी शिक्षा हासिल कर सकेंगे। शुक्रवार को अपर मुख्य सचिव बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा ने विभागीय अधिकारियों के साथ लैब का अवलोकन किया। विशेषज्ञों ने उन्हें मशीनों और तकनीकों की जानकारी दी। प्रधानाचार्य सुमित श्रीवास्तव ने बताया कि लैब नोडल सेंटर के रूप में काम करेगी। लखनऊ के

अलावा सीतापुर, हरदोई, लखीमपुर खीरी और उन्नाव के इच्छुक विद्यार्थी भी प्रवेश लेकर ऑनलाइन कक्षाओं से जुड़ सकेंगे। प्रशिक्षण निशुल्क दिया जाएगा। लैब में कॉलेज के दो शिक्षकों के साथ टाटा की ओर से चार विशेषज्ञ तैनात किए गए हैं। विद्यार्थी ई–स्कूटी असेंबलिंग, मैकेनिकल इंजन, आठ प्रकार के ड्रोन, थ्रीडी प्रिंटर और घरेलू इलेक्ट्रिक उपकरणों का प्रशिक्षण लेंगे। लैब का उद्देश्य बच्चों को आधुनिक और उद्योग–अनुकूल तकनीकों का प्रशिक्षण देना है। इसमें छात्रों को कंप्यूटर एडेड डिजाइन, मैन्युफैक्चरिंग, रोबोटिक्स, वर्चुअल रियलिटी और ऑगमेंटेड रियलिटी जैसी तकनीकों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। लैब का अवलोकन किया गया है। उद्घाटन की औपचारिकताएं पूरी होते ही छात्रों को इसका लाभ मिलना शुरू हो जाएगा।

घायल व्यक्ति के इलाज का खर्च हर महीने दे राज्य सरकार – हाईकोर्ट

लखनऊ, (संवाददाता)। हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने राज्य सरकार को अलीगंज अग्निकांड में गंभीर रूप से घायल हुए जयंत गुप्ता के इलाज का खर्च हर महीने वहन करने का निर्देश दिया है। 25 वर्षीय जयंत हादसे में स्थायी रूप से दिव्यांग हो गए हैं और चलने–फिरने में असमर्थ हैं। उनका इलाज किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) में चल रहा है। 22 जून को हुए इस अग्निकांड में 15 लोगों की मौत हुई थी। न्यायमूर्ति राजन रॉय और न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला की खंडपीठ ने शिवेंदु पांडे की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। कोर्ट ने नौ सितंबर 2026 के आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा, जिसमें सरकार को जयंत के इलाज का खर्च उठाने और केजीएमयू को उनसे इलाज का शुल्क नहीं लेने का निर्देश दिया गया था। सुनवाई के दौरान जयंत के वकील ने बताया कि वह इलाज पर करीब 2.5 लाख रुपये खर्च कर चुके हैं, जबकि उन्हें सभी स्रोतों से महज 1.5 लाख रुपये मुआवजा मिला है। हादसे से पहले वह चरित्र कलाकार के रूप में काम करते थे और करीब 46 हजार रुपये प्रतिमाह कमाते थे। अब कमाई करने में असमर्थ हैं और 25 हजार रुपये मासिक पेंशन पाने वाले अपने पिता पर निर्भर हैं। कोर्ट ने कहा कि इलाज पर खर्च की गई रकम के बिल अतिरिक्त महाधिवक्ता विनोद कुमार शाही के माध्यम से अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा सचिव को दिए जाएं। सत्यापन के बाद अगली सुनवाई से पहले आवश्यक भुगतान किया जाए। अस्पताल या घर पर इलाज के वर्तमान और नियमित खर्च के बिल भी इसी प्रक्रिया से जमा होंगे और जयंत को हर महीने भुगतान किया जाएगा। सरकार की ओर से बताया गया कि मुआवजे के लिए नीति या कानून तैयार करने के संबंध में गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समिति बनाई गई है।

नवरात्रि की रात दुर्गा प्रतिमा खंडित करने का आरोप, प्रशासन ने रात में ही नहर में कराया विसर्जन

जौनपुर। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के अतरौरा गांव में नवरात्रि के सातवें दिन देर रात दुर्गा प्रतिमा खंडित किए जाने और प्रशासन द्वारा उसी रात पास की नहर में प्रतिमा का विसर्जन कराए जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद गांव में हड़कंप मच गया और स्थानीय लोगों में नाराजगी देखी गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, अतरौरा गांव निवासी संजीत कुमार, स्वर्गीय विजय राज के पुत्र, ने अपने घर पर दुर्गा प्रतिमा स्थापित की थी। आरोप है कि नवरात्रि के सातवें दिन देर रात गांव का रवि कुमार, पुत्र राम सागर गौतम, कथित तौर पर नशे की हालत में पंडाल में पहुंचा और गाली–गलौज करने लगा। बताया जाता है कि इस दौरान रवि के परिजन भी मौके पर पहुंचे और उसे समझाने का प्रयास किया। हालांकि, आरोप है कि परिजनों के मना करने के बावजूद उसने दुर्गा प्रतिमा को खंडित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। इसके बाद ग्रामीणों ने डायल 112 पर सूचना दी। सूचना मिलने पर डायल 112 की टीम और सरायख्वाजा थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने स्थिति को शांत कराया। इसके बाद प्रशासन द्वारा देर रात ही खंडित दुर्गा प्रतिमा का पास की नहर में विसर्जन करा दिया गया। रात में ही विसर्जन कराए जाने को लेकर भी मामले ने चर्चा का रूप ले लिया। संजीत कुमार के अनुसार, घटना के बाद पुलिस रवि के परिजनों को थाने ले गई। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मामले में उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

माता सीता के हरण से व्याकुल हुए राम, भावुक हुए दर्शक

लखनऊ, (संवाददाता)। ऐशबाग रामलीला मैदान में चल रहे रामोत्सव के मंच पर शुक्रवार को श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण के वनगमन के प्रसंग से रामलीला का मंचन शुरू हुआ। सीताहरण के प्रसंग के बाद श्रीराम की व्याकुलता और घायल जटायु के वृत्तांत ने दर्शकों को भावुक कर दिया। इसके बाद लंका में माता सीता और महारानी मंदोदरी के भावनात्मक संवाद दृश्यों के साथ लीला के मंचन का समापन हुआ। रामलीला के मंचन से पूर्व सांस्कृतिक मंच का आरंभ घुंघरू नृत्य संगम डांस एकेडमी के कलाकारों की ओर से मनमोहक

नृत्य प्रस्तुतियों से किया गया। ऐशबाग रामलीला समिति के अध्यक्ष हरीशचंद्र अग्रवाल ने बताया कि शनिवार के मंचन में एआई के माध्यम से भी दृश्यों को मंचित किया जाएगा। रामलीला समिति महानगर में चल रही रामलीला के तीसरे दिन शुक्रवार को दशरथ–कैकेई संवाद, राम–सीता संवाद, राम–लक्ष्मण संवाद, राम वनगमन, केवट प्रसंग, सुमंत विलाप और दशरथ देहावसान के प्रसंगों प्रस्तुत किए गए। दिखाया गया कि कैसे मंथरा के कहने पर कैकेई कोप भवन चली जाती है और वहां पर राजा दशरथ को उनके दो वरदान याद दिलाते हुए राम को वन भेजने की बात करती है। इसके बाद केवट प्रसंग में केवट की प्रभु श्रीराम के प्रति अगाध प्रेम और शरणागत भाव देख दर्शक भाव विभोर हो गए। सेक्टर ए सीतापुर रोड योजना में शुक्रवार को शुरू हुए पांच दिवसीय रामलीला के 34वां मंचन शुरू हुआ। पहले दिन वशिष्ठ जी की सलाह पर संतान प्राप्ति के लिए राजा दशरथ तीनों रानियों के साथ यज्ञ करते हैं।

बीबीएयू में पंचकोश आधारित शिक्षा पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन

लखनऊ, (संवाददाता)। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में 'पंचकोश आधारित शिक्षा पद्धतिरू प्रासंगिकता, चुनौतियां एवं कार्यान्वयन' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का शुक्रवार को समापन हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल के दिशानिर्देशन एवं संरक्षण में योग विभाग और शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस सम्मेलन को भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के उत्तर क्षेत्रीय केंद्र, नई दिल्ली ने प्रायोजित किया।समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय, बरेली, ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ और महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर के पूर्व कुलपति प्रो. अनिल कुमार शुक्ला उपस्थित रहे। कार्यक्रम में स्कूल ऑफ योगा, नैचुरोपैथी एंड कॉग्निटिव स्टडीज के संकायाध्यक्ष प्रो. बीसी यादव, योग विभागाध्यक्ष डॉ. दीपेश्वर सिंह और कार्यक्रम संयोजक डॉ. नरेंद्र सिंह भी मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और बाबासाहेब के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुई। विश्वविद्यालय के कुलगीत के बाद अतिथियों को पौधे भेंटकर स्वागत किया गया। प्रो. बीसी यादव ने अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया, जबकि डॉ. दीपेश्वर सिंह ने सम्मेलन की रूपरेखा प्रस्तुत की। संचालन डॉ. दीप नारायण पांडेय ने किया।प्रो. अनिल कुमार शुक्ला ने अपने संबोधन में पंचकोश आधारित शिक्षा पद्धति के विभिन्न आयामों की चर्चा करते हुए मन पर नियंत्रण और सकारात्मक विचारों को व्यक्तित्व विकास के लिए आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय दर्शन में गुरु का विशेष महत्व है। गुरु व्यक्ति को सही दिशा दिखाने, आत्मबोध कराने और जीवन के वास्तविक उद्देश्यों को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनके मार्गदर्शन से व्यक्ति के ज्ञान, विचारों और आचरण में सकारात्मक बदलाव आता है। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था में पंचकोश आधारित पद्धति को शामिल करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि इससे युवा भारतीय दर्शन और समृद्ध ज्ञान परंपरा से परिचित होंगे। उन्होंने मनुस्मृति में वर्णित श्लोकों के विभिन्न पहलुओं पर भी चर्चा की और कहा कि व्यक्ति का वास्तविक चरित्र उसके व्यवहार से प्रकट होता है। शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान प्राप्त करना नहीं, बल्कि व्यक्ति को आत्मबोध से आगे बढ़ाकर परमार्थ और समाज कल्याण के लिए प्रेरित करना भी है।प्रो. बीसी यादव ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा मानव जीवन को समझने की व्यापक दृष्टि प्रदान करती है। पंचकोश की अवधारणा के माध्यम से व्यक्ति के विभिन्न आयामों को समझा जा सकता है।

गुडंबा में 5 किलो से अधिक गांजे के साथ युवक गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। गुडंबा पुलिस ने अवैध गांजे की बिक्री के आरोप में 22 वर्षीय अभय पटेल को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 5 किलो 124 ग्राम गांजा, आईफोन 14 प्रो और 200 रुपये नकद बरामद किए हैं। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।पुलिस के मुताबिक, 15 और 16 अक्टूबर की दरमियानी रात टेढ़ीपुलिया चौराहे पर संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की जांच की जा रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि एमडी पैलेस के पीछे मैदान में एक व्यक्ति काले रंग की पन्नी में गांजा लेकर लोगों को बेच रहा है। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो संदिग्ध भागने लगा। पुलिसकर्मियों ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया।पूछताछ में आरोपी की पहचान अभय पटेल पुत्र लक्ष्मी नारायण के रूप में हुई। वह आदिल नगर, कल्याणपुर का निवासी है और मूल रूप से सीतापुर जिले के तालगांव थाना क्षेत्र स्थित इब्राहिमपुर गांव का रहने वाला है। तलाशी के दौरान पुलिस को उसके पास से 31 पुड़िया और दूसरी पन्नी में रखा गांजा मिला। पुलिस के अनुसार, पॉलिथीन और पुड़िया के कागज सहित इसका कुल वजन 5 किलो 124 ग्राम था। इसके अलावा जींस की जेब से आईफोन 14 प्रो और शर्ट की जेब से 100–100 रुपये के दो नोट बरामद हुए।पुलिस का कहना है कि आरोपी गांजा रखने के संबंध में कोई वैध दस्तावेज नहीं दिखा सका। पूछताछ में उसने कथित तौर पर बताया कि वह एक व्यक्ति से कम कीमत पर गांजा खरीदता था और उसकी पुड़िया बनाकर राह चलते लोगों को अधिक दाम पर बेचता था।

वेदांता ग्लोबल स्कूल, मया, अयोध्या में धूमधाम से मनाया गया दशहरा पर्व

माँ दुर्गा के नौ स्वरूपों की गई प्रस्तुति

अयोध्या (DKU live ब्यूरो चीफ) सुरेंद्र कुमार। अयोध्या, मया (अमेठी) वेदांता ग्लोबल स्कूल में दशहरा पर्व के अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, धार्मिक परंपराओं तथा बुराई पर अच्छाई की विजय के महत्व से परिचित कराना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ कक्षा 1 एवं 2 के नन्हे–मुन्ने विद्यार्थियों द्वारा की गई आकर्षक एंकरिंग से हुआ। इसके पश्चात नर्सरी एवं यूकेजी के विद्यार्थियों ने भगवान श्रीराम के जीवन पर आधारित रामायण का मनमोहक मंचन प्रस्तुत किया। वहीं, एलकेजी के विद्यार्थियों ने माँ दुर्गा के नौ स्वरूपों की सुंदर एवं भावपूर्ण प्रस्तुति देकर उपस्थित सभी लोगों का मन मोह लिया।

कार्यक्रम में विद्यालय के चारों सदनोंकृसुभाष, पटेल, तिलक एवं आजाद हाउसकृके विद्यार्थियों के बीच समूह गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसके साथ ही चारों सदनों के विद्यार्थियों ने एकल गायन प्रतियोगिता में भी उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी संगीत प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के सभी विद्यार्थियों, शिक्षक–शिक्षिकाओं तथा प्राचार्य ने पूरे उत्साह एवं उमंग के साथ सहभागिता की। सभी ने मिलकर कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के उत्साहपूर्ण सहयोग से विद्यालय का वातावरण उत्सवमय हो उठा।

सभी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों एवं प्रतियोगिताओं के समापन के पश्चात रावण के पुतले का दहन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को सत्य, धर्म एवं सदाचार के मार्ग पर चलने तथा बुराई पर अच्छाई की विजय के संदेश को अपने जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी गई।सम्पूर्ण कार्यक्रम हर्षोल्लास एवं उत्साह के वातावरण में संपन्न हुआ। विद्यार्थियों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया तथा भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं के प्रति सम्मान की भावना को प्रोत्साहित किया।

लखनऊ में 'डांडिया गरबा नाइट 2.0' की धूम- ढोल-नगाड़ों और डीजे की धुन पर झूमे शहरवासी, बनारसी स्वाद ने जीता दिल

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के रघुवर मैरिज लॉन में 'आरवीएस डांस एकेडमी' और 'रॉयल क्वींस' के संयुक्त तत्वावधान में भव्य 'डांडिया गरबा नाइट 2.0' का सफल आयोजन किया गया। शाम ढलते ही पूरा परिसर रंग–बिरंगी पारंपरिक पोशाकों, डांडिया की खनक और उत्सव की उमंग से खिल उठा। कार्यक्रम में 400 से अधिक लोगों और परिवारों ने शिरकत की, जबकि आयोजन की भव्यता को देख बड़ी संख्या में लोगों ने ऑन–द–स्पॉट पहुंचकर भी इस उत्सव का आनंद लिया।

आरवीएस और रॉयल क्वींस का शानदार तालमेल

समारोह में मंच पर दी गई मनमोहक डांस प्रस्तुतियों ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। वहीं, हमेशा की तरह अपने रॉयल अंदाज और महिला सशक्तिकरण के लिए पहचानी जाने वाली संस्था 'रॉयल क्वींस' की खास छाप पूरे आयोजन में साफ नजर आई। गोमती नगर सहित शहर के प्रमुख क्षेत्रों से जुड़ी महिलाओं और परिवारों ने बड़ी संख्या में शामिल होकर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई और अपनी मौजूदगी से उत्सव को बेहद शालीन व भव्य बना दिया।

नॉन–स्टॉप संगीत और बनारसी चाट का जलवा

नॉन–स्टॉप लाइव डीजे और हाई–वोल्टेज ढोल–नगाड़ों की गूंज पर युवाओं, बच्चों और महिलाओं ने देर रात तक जमकर गरबा व डांडिया रास किया। इसके साथ ही मैदान में सजे फूड स्टॉल्स में खास तौर पर प्रसिद्ध श्बनारसी चाटश् लोगों के बीच आकर्षण का मुख्य केंद्र रही, जिसका आगंतुकों ने भरपूर स्वाद लिया।

पारिवारिक और सुरक्षित माहौल

आयोजक शेखर राजवंशी और रजनी प्रकाश ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य शहरवासियों को एक पूर्णतः सुरक्षित, पारिवारिक और शुद्ध सांस्कृतिक मंच उपलब्ध कराना था। शहरवासियों के शानदार रिस्पॉन्स और प्यार ने इस शाम को हमेशा के लिए यादगार बना दिया।

कन्या भोज की तैयारी के दौरान कूड़ा डालने का विरोध करने पर महिला से मारपीट का आरोप

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' पाली थाना क्षेत्र के ग्राम नरसियामऊ में कूड़ा फेंकने का विरोध करने पर एक महिला के साथ मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने पड़ोस के पांच लोगों पर गाली–गलौज करने और लात–घूंसों से मारपीट करने का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है। ग्राम नरसियामऊ निवासी हंसमुखी पत्नी शिवशरण के अनुसार सोमवार सुबह करीब आठ बजे वह नवरात्रि की नवमी पर कन्या भोज की तैयारी कर रही थी। इसी दौरान पड़ोस के लोगों ने उनके घर की तरफ कूड़ा फेंक दिया। हंसमुखी ने जब इसका विरोध किया तो आरोप है कि चार बालिकाओं और महिलाओं सहित पांच लोगों ने उनके साथ गाली–गलौज करते हुए लात–घूंसों से मारपीट की। घटना के बाद पीड़िता ने पाली थाने पहुंचकर पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है। पुलिस ने प्रार्थना पत्र के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

'कन्या भोज की तैयारी के दौरान कूड़ा डालने का विरोध करने पर महिला से मारपीट का आरोप'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव' 'पाली–(हरदोई)' पाली थाना क्षेत्र के ग्राम नरसियामऊ में कूड़ा फेंकने का विरोध करने पर एक महिला के साथ मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने पड़ोस के पांच लोगों पर गाली–गलौज करने और लात–घूंसों से मारपीट करने का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है।

दुर्गा प्रतिमा विसर्जन यात्रा को लेकर एडीएम सिटी व एसपी सिटी ने किया जीआईसी मैदान का निरीक्षण

अयोध्या। मंगलवार को दुर्गा प्रतिमा का विसर्जन किया जाएगा। पुरानी परंपरा के मुताबिक यह सभी दुर्गा प्रतिमाएं जीआईसी मैदान से निकलकर फतेहगंज से सुभाष नगर,बजाजा, चौक, रिकाबगंज, सिविल लाइन होते हुए मीरानघाट पर जाकर विसर्जित होंगी।केंद्रीय दुर्गा पूजा समिति की ओर से निर्धारित समय के अनुसार प्रतिमाओं की विसर्जन यात्रा जीआईसी मैदान परिसर से निकलेगी।विसर्जन के दौरान दुर्गा पूजा समितियों के पदाधिकारियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए सोमवार को एडीएम सिटी और एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी ने सीओ सिटी श्रेयश त्रिपाठी, कोतवाली नगर के प्रभारी निरीक्षक मनोज शर्मा तथा केंद्रीय दुर्गा पूजा समिति के पदाधिकारियों के साथ जीआईसी मैदान का निरीक्षण किया।इस दौरान विसर्जन से संबंधित व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। इस मौके पर एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी ने बताया कि प्रतिमा विसर्जन से संबंधित तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी प्रतिमाओं के विसर्जन में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी।

मंगलवार सुबह 10 बजे जीआईसी से निकलेगी पहली प्रतिमा,रास्ते में नहीं रुकेंगी प्रतिमा – मनोज जायसवाल

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।रामनगरी में मंगलवार को निकलने वाली मां दुर्गा की भव्य विसर्जन शोभायात्रा को व्यवस्थित और गतिमान बनाए रखने के लिए केंद्रीय दुर्गापूजा एवं रामलीला समन्वय समिति ने तैयारी पूरी कर ली है।शोभायात्रा 20 अक्टूबर को सुबह 10 बजे राजकीय इंटर कॉलेज (जीआईसी) के गेट से शुरू होगी। निर्धारित समय के अनुसार सुबह 11रू30 बजे चौक, दोपहर एक बजे रिकाबगंज चौराहा और दो बजे रोडवेज पहुंचने का कार्यक्रम तय किया गया है।रविवार सुबह सुभाष नगर में आयोजित केंद्रीय समिति के अध्यक्षता जिलाध्यक्ष मनोज जायसवाल ने की।जबकि संचालन जिला संयोजक गगन जायसवाल ने किया।जिला अध्यक्ष मनोज जायसवाल ने बताया कि सभी समितियां अपने–अपने पंडालों से प्रतिमाएं लेकर सीधे जीआईसी परिसर पहुंचेंगी।रास्ते में कहीं भी दुर्गा प्रतिमा नहीं रुकेंगी।जीआईसी परिसर में केंद्रीय समिति की ओर से प्रतिमाओं के वाहनों को क्रमवार नंबर दिया जाएगा।शोभायात्रा को आकर्षक बनाने के लिए बैंड–बाजे और महापुरुषों की झांकियों को भी व्यवस्थित तरीके से तैयार कर फतेहगंज चौराहे तक लगाया जाएगा। सुबह 10 बजते ही पहली प्रतिमा जीआईसी गेट से रवाना होगी और इसके साथ ही विसर्जन शोभायात्रा शुरू हो जाएगी।केंद्रीय दुर्गा पूजा व रामलीला समन्वय समिति के अध्यक्ष श्री जायसवाल ने बताया कि शोभायात्रा को निर्बाध गति से आगे बढ़ाने के लिए केंद्रीय समिति की पदाधिकारी टोलियां फतेहगंज, मोतीबाग, चौक, पॉपुलर गली, रिकाबगंज चौराहा, रिकाबगंज हनुमानगढ़ी और सहादतगंज हनुमानगढ़ी सहित प्रमुख स्थानों पर तैनात रहेंगी।ये टोलियां शोभायात्रा के संचालन में सहयोग करेंगी।जिला संयोजक गगन जायसवाल ने सभी दुर्गापूजा समितियों से अनुशासन और शालीनता बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि शोभायात्रा में शराब पीकर आने वालों पर सख्त निगरानी रखी जाए और किसी भी दबाव में उन्हें शामिल न होने दिया जाए, ताकि धार्मिक आयोजन की गरिमा बनी रहे।केंद्रीय समिति के जिला प्रवक्ता केशव बिगुलर के अनुसार, शोभायात्रा के समय और संचालन को लेकर आवश्यक तैयारियां तय कर ली गई हैं। बैठक में जिला पुलिस प्रभारी जेएन चतुर्वेदी व शिवजी गौड़, अतुल सिंह, अखिलेश पाठक, बजरंगी साहू, चंदन गुप्ता, अमित कनौजिया, राजेश कुमार जायसवाल राजू, पवन कुमार निषाद, दीपक गौतम, रविकांत आर्य, जनार्दन पांडेय बबलू, देवेंद्र अग्रहरि, अंकुश गुप्ता, डॉ. अखिलेश वैश्य, अंजनी पांडेय, विनय प्रकाश तिवारी, तरुण कुमार गुप्ता डम्पी, वासू श्रीवास्तव, साकेत किशोर, रवींद्र यादव, नीरज पाठक, नारेंद्र पांडेय, पंकज सनाढ्य, कमलेश सोलंकी, रामबाबू कसौंधन, अरुण अग्रहरि, गोल्डन खत्री, उज्ज्वल सोनी, राघवेंद्र प्रताप सिंह, मयंकर शुक्ला, विवेक कुमार सिंह, राजपूत यादव, भानचंद्र गुप्ता और शिवजी शर्मा सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शारदीय नवरात्रि महा अष्टमी के अवसर पर चित्रगुप्त मंदिर हैदरगंज में पंच कुण्डीय गायत्री महा यज्ञ सम्पन्न

अयोध्या।शारदीय नवरात्रि महा अष्टमी के अवसर पर चित्रगुप्त मंदिर हैदरगंज मे गायत्री परिवार से प्रज्ञा मंडल अयोध्या अध्यक्ष माधुरी तिवारी की टोली द्वारा गायत्री महा यज्ञ सबको सद्बुद्धि, सभी के कल्याण के लिए

सम्पन्न कराया गया।इस अवसर पर अधिवक्ता सतीश सहाय (अध्यक्ष कायस्थ धर्म सभा)डॉ अंजलि श्रीवास्तव, विकास सिन्हा (व्यवसाई),कैलाश लाल श्रीवास्तव,सुरेश चंद्र श्रीवास्तव,शिवशंकर श्रीवास्तव,शैलेश कुमार श्रीवास्तव,सोमनाथ श्रीवास्तव,हरिमोहन श्रीवास्तव मौजूद रहे। इसके अलावा महिलाओं में पल्लवी वर्मा,नंदनी श्रीवास्तव,शशि बाला,शीलू श्रीवास्तव,शशि श्रीवास्तव,रेनू श्रीवास्तव,उमा गौड़,नंदिनी श्रीवास्तव,मंजू गुप्ता, राजबाला उपस्थित रही।वही जगदीश यादव एवं श्री तिवारी आदि मोहल्ले के गण मान्य लोगो ने भाग लिया सचिदांश सेवा ट्रस्ट अयोध्या के अध्यक्ष कृष्ण चंद्र श्रीवास्तव ने बताया तीर्थ क्षेत्र विकास परिषद द्वारा निर्मित यात्री निवास का जल्द लोकार्पण होगा उस अवसर दीप यज्ञ का आयोजन किया जायगा

मऊआइमा में तनाव फैलाने का प्रयास– रामलीला के बैनर फाड़े

प्रयागराज। मऊआइमा में विजय दशमी उत्सव के दौरान रामलीला समिति ने बैनर फाड़ने, शोभायात्रा में उपद्रव करने और धार्मिक आयोजन की सजावट का सामान चोरी करने का आरोप लगाया है। समिति ने आरोप लगाया है कि 14 से 18 अक्टूबर के बीच अलग–अलग घटनाएं हुईं। मामले में तीन लोगों के खिलाफ थाना मऊआइमा में तहरीर दी गई है। समिति ने आरोप लगाया कि इन घटनाओं के जरिए धार्मिक आयोजनों में व्यवधान डालने और दो समुदायों के बीच तनाव पैदा करने की कोशिश की गई। पुलिस से एफआईआर दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है। श्री रामलीला समिति की ओर से प्रभारी निरीक्षक मऊआइमा को दी गई तहरीर में कहा गया है कि हर वर्ष की तरह इस बार भी विजय दशमी उत्सव के तहत विजय कर्ण घोड़ा शोभायात्रा, रामलीला मंचन, राम बारात, दुर्गा पूजा, विजय दशमी शोभायात्रा, दुर्गा विसर्जन और भरत मिलाप जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। समिति का आरोप है कि कुछ लोग शुरुआत से ही इन आयोजनों में व्यवधान डालने का प्रयास कर रहे हैं। तहरीर के अनुसार 14 अक्टूबर की रात 12 बजे के बाद पक्का तालाब स्थित रामबाग परिसर में लगा बैनर फाड़ दिया गया। इस बैनर पर समिति के मुख्य संरक्षक निमिष खत्री का फोटो लगा था। समिति ने इसे सुनियोजित हरकत बताया है। समिति का कहना है कि 15 अक्टूबर को निकली राम बारात शोभायात्रा के दौरान भी श्रद्धालुओं को चोट पहुंचाने की नीयत से मारपीट और उपद्रव किया गया। अगले दिन रामबाग हनुमान मंदिर की दीवार पर लगा एक अन्य बैनर भी फाड़कर ले जाया गया। तहरीर में कहा गया है कि 17 अक्टूबर की रात रामलीला मंचन समाप्त होने के बाद रामबाग परिसर में लगे दो बैनरों पर गुटखा थूक दिया गया। इन बैनरों पर समिति के संरक्षक निमिष खत्री और नगर पंचायत मऊआइमा के अध्यक्ष हाजी मोहम्मद शोएब अंसारी के फोटो लगे थे। इसके अलावा पक्का तालाब स्थित दुर्गा मंदिर में सजावट के लिए लगाई गई विद्युत झालर और केबिल भी चोरी कर ली गई। समिति के मुताबिक 18 अक्टूबर की रात करीब 12रू45 बजे रामबाग गेट पर लगा एक और बैनर फाड़ दिया गया। इस बैनर पर समिति के पदाधिकारियों और अन्य गणमान्य लोगों के फोटो लगे थे। समिति का कहना है कि लगातार हो रही इन घटनाओं से धार्मिक आयोजन प्रभावित हो रहे हैं। श्री रामलीला समिति ने तीन लोगों समेत उनके अन्य साथियों को इन घटनाओं के लिए जिम्मेदार ठहराया है। तहरीर में आरोप लगाया गया है कि इन लोगों ने दो समुदायों के बीच नफरत फैलाने, सांप्रदायिक तनाव पैदा करने और धार्मिक भावनाओं को आहत करने की नीयत से यह घटनाएं की हैं।

मिशन शक्ति6.0 के तहत मिशन शक्तिप्रभारी चेतना पाण्डेय ने पंडालों पर जाकर महिलाओं को सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।रविवार देर शाम गोसाईगंज थाना पर तैनात मिशन शक्ति प्रभारी चेतना पांडे ने उप निरीक्षक प्रिया मिश्रा व महिला कांस्टेबल दीक्षा तथा महिला कांस्टेबल संजू के साथ विभिन्न दुर्गा पूजा पंडालों जाकर महिलाओं को पोस्टर बैनर तथा पंपलेट के माध्यम से जागरूक किया।इस अभियान के तहत उन्होंने सार्वजनिक स्थलों, शैक्षणिक संस्थानों , बाजारों, चौराहों, ग्राम क्षेत्रों तथा विभिन्न पूजा पंडालों में पहुंचकर महिलाओं एवं बालिकाओं को जागरूक किया।इस दौरान उन्होंने महिलाओं को सुरक्षा, साइबर

अपराधों से बचाव, घरेलू हिंसा, गुड टच–बैड टच तथा शासन द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में जानकारी प्रदान किया।उन्होंने महिलाओं एवं बालिकाओं को हेल्पलाइन नंबर 1090 (महिला पावर लाइन), 181 (महिला हेल्पलाइन), 112 (आपातकालीन सेवा), 108 (स्वास्थ्य सेवा), 1098 (बाल हेल्पलाइन), 1930 (साइबर हेल्पलाइन) एवं 1076 (सीएम हेल्पलाइन) के संबंध में जानकारी देते हुए आवश्यकता पड़ने पर इनके त्वरित उपयोग हेतु प्रेरित किया।

सूखा राशन पाकर खिले गरीबों के चेहरे

प्रयागराज। गोल्डन लाइनेस उड़ान ने स्लम बस्ती परेड ग्राउंड अलोपी बाग में गरीबों को सूखा राशन वितरित किया गया। पैकेट में संस्था द्वारा आटा, चावल, चीनी, नमक इत्यादि का पैकेट बनाकर बांटा गया। बच्चों को बन एवं बिस्किट के पैकेट वितरित किए गए। इन उपहारों को पाकर बच्चों के चेहरों पर उपजी मासूम मुस्कान और असीम प्रसन्नता को देखकर मन आत्म संतोष और परम आनंद से भर गया। कार्यक्रम में मीनाक्षी श्रीवास्तव, सुनीता श्रीवास्तव, मोनीषा शुक्ला, दीपाली खरे, रिचा शुक्ला, रानी गुप्ता, निशा अग्रहरि, श्रुति माथुर, अंशिका, प्रीति अग्रवाल, अलका तिवारी, सुनीता खरे, सुमन खरे,प्रीति अग्रवाल, सीमा श्रीवास्तव इत्यादि सदस्यों ने अन्न दान करके इस पुनीत कार्य में अपना सहयोग प्रदान किया।

दुर्गा नवमी पर आलोप शंकरी शक्तिपीठ में उमड़ी भक्तों की भीड़, लगी लम्बी कतार

प्रयागराज। शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व के अंतिम दिन यानी महानवमी पर संगम नगरी पूरी तरह भक्ति के रंग में रंगी नजर आई। इस खास मौके पर ऐतिहासिक और आस्था के प्रमुख केंद्र मां आलोप शंकरी शक्तिपीठ में तड़के से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। नवमी के पावन अवसर पर सुबह भोर में ठीक 4 बजे मंदिर की भव्य सजावट की गई। देशी–विदेशी सुगंधित फूलों की लड़ियों से पूरे परिसर को सजाया गया था। विशेष रूप से माता के गर्भगृह को आकर्षक और मनमोहक रूप दिया गया, जिससे मंदिर का वातावरण पूरी तरह दिव्य दिखाई दे रहा था। इसके बाद मंदिर के मुख्य महंत ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच माता की मंगला आरती संपन्न की। आरती पूरी होते ही जयकारों की गूंज के साथ मंदिर के कपाट आम श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खोल दिए गए। कपाट खुलते ही माता के दर्शन पाने के लिए भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह की पहली किरण फूटने से पहले ही मंदिर परिसर से लेकर मुख्य मार्ग तक श्रद्धालुओं की लंबी–लंबी कतारें लग गईं। हाथ में नारियल, चुनरी, रोली और फूलों की टोकरी लिए महिला, पुरुष और बुजुर्ग घंटों अपनी बारी का इंतजार करते दिखे। पूरा क्षेत्र श्जय माता दीश् के जयकारों से गूंजता रहा। नवरात्रि के इस अंतिम दिन मां अलोप शंकरी के दरबार में पहुंचे भक्तों ने परिवार की सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।

रामनवमी पर कुरेश्वर घाट पर गंगा में तेज धार डूबे 2 लोग, तलाश जारी

प्रयागराज। नवाबगंज के कुरेश्वर घाट पर स्नान करते समय कुछ लोग तेज बहाव की चपेट में आ गए। एक–दूसरे को बचाने के चक्कर में आधा दर्जन लोग डूबने लगे। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें लोग एक–दूसरे को बचाने की कोशिश करते नजर आ रहे हैं। हादसे में दो लोग लापता हो गए हैं। सूचना मिलने पर पुलिस, जल पुलिस और एनडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। कई घंटे की तलाश के बाद भी दोनों का पता नहीं चल सका है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रमनवमी के अवसर पर नवाबगंज थाना क्षेत्र स्थित कुरेश्वर गंगा घाट पर बड़ी संख्या में लोग स्नान करने पहुंचे थे। इसी दौरान कुछ लोग गहरे पानी में चले गए और तेज बहाव में फंस गए। उन्हें डूबता देख दूसरे लोग बचाने के लिए आगे आए। इस दौरान 4 से 5 लोग डूबने लगे। किसी तरह कुछ लोगों को बचाने की कोशिश की गई, लेकिन दो लोग गहरे पानी में लापता हो गए। लापता लोगों में अनीता यादव (30), पत्नी राजू यादव, निवासी घाटमपुर और सुरेश केसरवानी (33), पुत्र मक्खन लाल, निवासी जगदीशपुर, चांदन शामिल हैं। दोनों गहरे पानी में चले जाने के बाद लापता हो गए।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार-पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।